बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

○ वर्ष: 23 ○ अंक: 154 ○ नई दिल्ली ○ मंगलवार 17 जून 2025 ○ प्रभात कालीन ○ मूल्य: 3 रूपया ○ पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

पाइरेसी की वर्ल्ड के किंग बनने निकले मुनव्वर फारूकी, डेब्यू सीरीज का ट्रेलर हुआ रिलीज

स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी की वेब सीरीज फर्स्ट कॉपी का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस सीरीज से कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी एक्टिंग की दुनिया में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। मुनव्वर इस सीरीज में काफी इंप्रेसिव लग रहे हैं। इस सीरीज को 20 जून को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जाएगा। कॉमेडियन और रियलिटी शो स्टार मुनव्वर फारुकी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शो का ऐलान करते हुए एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में उन्होंने कैप्शन में लिखा, नाम भले ही फर्स्ट कॉपी हो, लेकिन ये शो पूरी तरह ओरिजिनल है।

स्विमिंग पूल में दर्दनाक हादसा, बुझ गया घर का चिराग; तीन बहनों में इकलौता था तक्ष राठी

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में पीतमपुरा के सीयू-ब्लाक स्थित नगर निगम के मनोरंजन केंद्र में सुरक्षा उपाय के बिना चल रहे स्विमिंग पुल में डूबकर छह साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे स्वजन ने स्विमिंग पूल संचालन में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और बताया कि इतनी कम उम्र के बच्चा स्विमिंग पूल में उतारा जा रहा है तो निगरानी के लिए प्रशिक्षित कोच व गार्ड होना चाहिए, लेकिन यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। स्वजन का कहना है कि बच्चा अच्छी तरह से तैराकी जानता था, उसकी जान लापरवाही की वजह से गई है। पुलिस ने लापवाही बरतने की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। इस बीच, नगर निगम ने भी इस घटना की जांच शुरू कर दी है और कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने स्विमिंग पूल का संचालन एक निजी कंपनी को दे रखा है। यह हादसा शुक्रवार सुबह 10 बजे के करीब हुआ। ह्रादसे में जान गंवाने वाले बच्चे तक्ष राठी की मौसी कंचन कौशिक ने बताया कि तक्ष की माता कीर्ति कौशिक मस्कट (ओमान) में नौकरी करती हैं और तक्ष उनके पास ही रहता था। शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे तक्ष अपने दो दोस्तों के साथ स्विमिंग के लिए घर से निकला। करीब 10:40 बजे उसके पास तक्ष के साथ गए आशू का फोन आया और बताया कि तक्ष बेहोश हो गया। जब वे लोग अस्पताल पहुंचे तो तक्ष की मौत हो चुकी थी। उसका पूरा शरीर नीला पड़ गया था। कंचन ने बताया कि तक्ष तैराकी अच्छी तरह जानता था, पिछले साल समर कैंप में भी तैराकी की थी। उसकी सेहत भी ठीक थी। यह हादसा स्विमिंग पूल संचालकों की लापरवाही के कारण हुआ है। जब बच्चा स्विमिंग पूल में उतरा तो वहां किसी तरह की कोई निगरानी नहीं थी। वहां न तो कोई लाइफ गार्ड था और न ही कोई प्रशिक्षित कोच था। गार्ड और कोच होते तो उनके बच्चे की मौत नहीं होती। स्विमिंग पूल परिसर में सीसीटीवी कैमरे भी नहीं हैं। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने फिलहाल लापरवाही की धारा के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। इस बीच, हादसे की सूचना के बाद तक्ष की माता ओमान से शनिवार को दिल्ली पहुंचीं।

पोस्टमार्टम के बाद तक्ष का शनिवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। बेटे की मौत से दुखी कीर्ति कौशिक ने कहा कि यह सब अस्वीकार्य और अप्रत्याशित है। स्विमिंग पूल संचालक ने केवल अपनी डेढ़ सौ रुपये फीस देखी, उसने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। अगर स्विमिंग पूल का संचालन सही से होता तो उनका बेटा आज उनके पास होता। आप इतने छोटे बच्चे को स्विमिंग पूल में उतार रहे हो तो निगरानी और सुरक्षा की जिम्मेदारी स्विमिंग पूल प्रबंधन की है, जिसे न तो संचालक ने ठीक से नहीं निभाया और न ही दिल्ली नगर निगम ने। निगम और संचालक की लापरवाही ने उनके बेटे की जान ले ली। तक्ष की मौसी ने कंचन ने बताया कि इस घटना के बाद स्विमिंग पूल परिसर में वे लोग गए तो वहां बाउंसर के अलावा न तो कोई लाइफ गार्ड मिला और न ही कोई कोच मिला। कहीं कोई लाइफ जैकेट नजर नहीं आई। वे लोग सीसीटीवी फुटेज देखना चाहते हैं,लेकिन बताया गया कि स्विमिंग पूल परिसर में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। प्रशिक्षित कोच या स्पेशल इंस्ट्रक्टर और गार्ड नियुक्ति की जिम्मेदारी नगर निगम को लेनी चाहिए। स्विमिंग पूल सील होना चाहिए। तक्ष के माता और उनकी दो बहनों के परिवार में तक्ष इकलौता बच्चा था। तक्ष की मृत्यु ने पूरे परिवार को झकझोर दिया। आंसू रोकने की नाकाम कोशिशों के बीच कंचन बताती हैं कि तक्ष के जाने के बाद सबका जीवन सूना हो गया। शालीमार बाग स्थित टेगौर माडल पब्लिक स्कूल में पहली कक्षा में पढ़ने वाला तक्ष पढ़ाई और खेल में तेज था। अगले महीने की 11 तारीख को उसका सातवां जन्म दिन मनाना था। इस घटना की सूचना के बाद नगर निगम ने विभागीय जांच शुरू कर दी है। जांच में जो दोषी पाया गया, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

दिल्ली में बुलडोजर एक्शन जारी : अशोक विहार में कई झुग्गियों पर डीडीए की कार्रवाई, पुलिस के साथ भारी सुरक्षाबल

नई दिल्ली ।

दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी प्रशासन का बुलडोजर चल रहा है। अशोक विहार के जेलर वाला बाग में कई झुग्गियों को गिरा दिया गया है। झुग्गियों को गिराने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण की टीम पहुंची हैं। टीम के साथ दिल्ली पुलिस और भारी सुरक्षा बल भी मौजूद हैं। आप के दिल्ली प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि भाजपा की सरकार जब से आई है दिल्ली में गरीबों के घर और रोजगार दोनों उजाड़े जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पंजाब भ्रमण में लगी हुई हैं। यहां दिल्ली में रोज बुलडोजर चलाया जा रहा है। आगे कहा कि सीएम रेखा बतायें कि इन गरीब लोगों को उजाड़ने से पहले घर कहां दिए गए हैं। केंद्र सरकार बताए कि जहां झुग्गी वहं मकान का क्या हुआ? भाजपा बताए चुनाव से पहले झुग्गी प्रवास की नौटंकी का क्या हुआ?

झुग्गियों पर चल रहे बुलडोजर के खिलाफ आप करेगी आंदोलन

दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर तोड़ी जा रही झुग्गियों के खिलाफ आम आदमी पार्टी आंदोलन करेगी। इसी के तहत 29 जून को जंतर मंतर पर झुग्गीवासियों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करेगी। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अपने वादे के मुताबिक भाजपा सरकार पहले इन गरीबों को जहां झुग्गी-वहां मकान दे, उसके बाद इनके घरों पर बुलडोजर चलाए।

29 को जंतर मंतर पर करेंगे विरोध प्रदर्शन

उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब से भाजपा की सरकार आई है, एक-एक

कर बड़ी-बड़ी झुग्गियों को बुलडोजर से साफ किया जा रहा है। बवाना के रोहिणी सेक्टर 22 में एक झुग्गी झोपड़ी क्लस्टर था। एक माह पहले सुबह करीब 11 बजे उस झुग्गी में आग लग जाती है।

उसमें दो मासूम बच्चे जिंदा जल गए। उसके बाद सरकार ने बुलडोजर से सब कुछ साफ कर वहां से हटा दिया। इसी तरह मद्रासी कैंप को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले लोगों की संख्या लाखों में हैं। अगर ये लोग मिल कर आवाज उठाएंगे तो सरकार को झुकना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी दिल्ली के अंदर बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी। सभी झुग्गीवालों को एक करेंगे और 29 जून को सुबह 10 बजे सभी लोग एक होकर जंतर मंतर पर अपनी आवाज उठाएंगे।

फिर साबित हुआ भाजपा कथनी-करनी में अंतर : आतिशी

बीते दिनों कालकाजी विधानसभा स्थित भूमिहीन कैंप की झुग्गियों पर बुलडोजर चलाए जाने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ा विरोध किया। स्थानीय विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने घटनास्थल पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और कहा था कि फिर साबित हुआ कि भाजपा कथनी और करनी में अंतर है।

नहीं उजाड़ने की बात करने वाली मुख्यमंत्री ने झुग्गी तुड़वा दी। आतिशी के अनुसार, सिर्फ 100 दिन में ही भाजपा सरकार ने गरीबों पर तीसरा वार किया। पहले बिजली महंगी की, फिर शिक्षा और अब आशियाने छीन लिए। उन्होंने बताया कि भूमिहीन कैंप मामले में बुधवार सुबह 11 बजे कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन उससे पहले ही सुबह पांच बजे झुग्गियां तोड़ दी गईं। आप नेता ने कहा कि डीडीए, दिल्ली सरकार और डूसिब ने खुद कोर्ट में खड़े होकर कहा कि गरीबों को घर नहीं दिए जाएंगे। यह साफ दर्शाता है कि भाजपा गरीब विरोधी पार्टी है और जानबूझकर झुग्गीवालों को दिल्ली से खदेड़ना चाहती है।

आतिशी ने सवाल उठाया कि क्या भाजपा दिल्ली से यूपी-बिहार के लोगों को भगाकर वहीं वोट मांगने जाना चाहती है। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा बिहार में चुनाव जीतना चाहती है और इधर दिल्ली में उन्हीं लोगों के घर तोड़ रही है।

पुलिस का छापा पड़ते ही मची अफरातफरी, स्टोर मैनेजर गिरफ्तार; नामी कंपनी का टैग लगाकर बेचते थे कपड़े

बाहरी दिल्ली। नामी कंपनी का टैग लगाकर नकली टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम और शार्ट्स बेचने वाली एक कंपनी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पीतमपुरा स्थित एक स्टोर पर छापा मारकर लुई वितों नामक नामी ब्रांड के जाली लेबल के साथ लगभग दो नकली प्रिंटेड शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम बरामद किए गए। पुलिस ने स्टोर मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि कंपनी संचालक करनाल (हरियाणा) का रहने वाला है। फिलहाल देश में नहीं है। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बाजार में हाई वैल्यू ब्रांड 'लुई वितों' के नकली लेबल वाले शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम के बारे में कंपनी की ओर से पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई। इस शिकायत के बाद पुलिस ने जानकारी जुटाकर पीतमपुरा स्थित इमारत की पहली मंजिल पर बायज स्ट्रीट नामक एक दुकान में छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान दिल्ली के शादी नगर, आजादपुर निवासी हर्षित के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, स्टोर से %%लुई वितों ब्रांड के जाली लेबल के साथ नकली मुद्रित शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम के लगभग दो सौ आइटम बरामद किए। पूछताछ के दौरान पता चला कि अवैध इकाई का संचालन पंकज मनचंदा नामक व्यक्ति कर रहा है। पंकज करनाल का रहने वाला है। आरोपित हर्षित ने बताया कि विनिर्माण इकाई पिछले साल पंकज मनचंदा ने स्थापित की थी। तभी से यह शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट और परफ्यूम बनाने में लगी हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि हर्षित स्टोर में मैनेजर के तौर पर काम करता है और मालिक पंकज मनचंदा के निर्देशन में काम करता है। पूछताछ में पता चला कि मालिक पंकज मनचंदा करनाल का रहने वाला है और फिलहाल देश से बाहर है। उसके ठिकाने का पता लगाने की कोशिश की जा रही है और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नई दिल्ली में कर्तव्य पथ सहित आठ जगहों पर होगा योग, 6000 लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद; अभ्यास शुरू

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) इस बार योग दिवस पर आठ प्रमुख स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिनमें करीब 6000 लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। सबसे अधिक भीड़ कर्तव्य पथ पर जुटने की संभावना है, जिसे आयोजन का मुख्य केंद्र माना जा रहा है। यहां पर देश के बड़े नेता व अधिकारी भी शामिल होंगे। एनडीएमसी के अनुसार, कर्तव्य पथ, शांति पथ लॉन, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, न्यू मोती बाग (आईएएस निवास), संजय झील (लक्ष्मीबाई नगर), सिंगापुर पार्क (सिंगापुर एंबेसी के सामने) और सेंट्रल पार्क कनॉट प्लेस में योग दिवस मनाया जाएगा। कर्तव्य पथ पर 2000 प्रतिभागी भाग लेंगे जबकि शांति पथ, तालकटोरा गार्डन व लोधी गार्डन में 1000-1000 लोग योग

अमित शाह ने आपदा प्रबंधन को लेकर दिया मंत्र, एनडीआरएफ, सीडीआरआई और एनडीएमए की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की सराहना की, जिससे भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंच गया। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि इंटरस्टेट मॉक ड्रिल को सालाना कार्यक्रम बनाया जाए। मेरा मानना है कि राज्यों की मदद के बिना यह संभव नहीं है। कई चक्रवात, कई आपदाएँ ऐसी होती हैं जिनके लिए इंटरस्टेट मॉक ड्रिल की आवश्यकता होती है और हम राज्यों की मदद के बिना यह नहीं कर सकते। अमित शाह ने आगे कहा कि हम आने वाले दिनों में इस पर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम स्टार्टअप इंडिया को आपदा राहत तकनीक के विकास से भी जोड़ना चाहते हैं। मैं आपको पहले से बता रहा हूँ कि राज्यों को भी इसके लिए मंथन शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जो काम किया है, वह सराहनीय है। आपदा से बचाव के बारे में सोचना अधूरा दृष्टिकोण है। समग्र दृष्टिकोण में ऐसी धरती का निर्माण शामिल है, जहाँ कोई आपदा न आए...हमें इस दृष्टिकोण को लोकप्रिय बनाना चाहिए। अगर हम पर्यावरण संरक्षण के बारे में नहीं सोचेंगे तो हम आपदा से खुद को नहीं बचा पाएंगे।

शाह ने कहा कि हम सबके लिए यह हर्ष का विषय है कि 10 वर्षों के भीतर ही एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई इन तीनों संस्थाओं ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के और करीब ला दिया है। एनडीएमए ने नीतिगत मामलों की संरचना, शोध कार्य, विभिन्न प्रकार के अध्ययनों के लेखों को लोगों तक पहुँचाना, अनेक ऐप बनाना और नीतिगत मामलों के समग्र समन्वय में बहुत बढ़िया काम किया है...एनडीआरएफ ने पूरे देश में अपनी छवि बनाई है, ख्याति और सम्मान भी कमाया है।

गाजा में मानवाधिकारों के उल्लंघन- प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारत सरकार के संयुक्त राष्ट्र में गाजा को लेकर मतदान से दूर रहने के फैसले पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने इसे शर्मनाक और निराशाजनक करार देते हुए सरकार की चुप्पी को भारत की ऐतिहासिक विरासत से पलायन बताया. प्रियंका ने एक पोस्ट में लिखा, गाजा में अब तक 60,000 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं. एक पूरी आबादी को भूखा मारने के लिए बंदी बनाया जा रहा है और हम कोई ठोस रुख लेने से पीछे हट रहे हैं. प्रियंका गांधी ने अपनी पोस्ट में गाजा में मानवाधिकारों के उल्लंघन, इजरायल की ईरान पर कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी को लेकर भी गंभीर चिंता जताई. उन्होंने लिखा, हम सिर्फ चुप ही नहीं हैं, बल्कि ऐसे समय में जब नेतन्याहू एक पूरे राष्ट्र को खत्म कर रहे हैं, हम उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं. उनकी सरकार ईरान पर हमला कर रही है, उसकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है और हम आंखें मूंदे बैठे हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत अब अपने संवैधानिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों से पीछे हट गया है? प्रियंका ने कहा, हम कैसे अपने संविधान के सिद्धांतों और आजादी की लड़ाई से उपजे मूल्यों को छोड़ सकते हैं, जिन पर हमारा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण आधारित रहा है? यह कोई न्यायोचित निर्णय नहीं है. सच्चे वैश्विक नेतृत्व का मतलब है- न्याय के पक्ष में खड़ा होना, जो भारत ने हमेशा किया है. सलमान खुर्शीद इससे पहले भी फिलिस्तीन-इजराइल और ईरान-इजराइल युद्ध जैसे मुद्दों पर मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देने की बात कर चुके हैं. उन्होंने पहले भी कहा था, मानवता सबसे बड़ा मुद्दा है. शांति सर्वोपरि है और हर कोई शांति चाहता है. जिम्मेदारियों की बात बाद में हो सकती है लेकिन पहले शांति होनी चाहिए. महिलाएं, बच्चे, हर कोई अपनी जान गंवा रहा है.

परमाणु हथियारों में भारत पाकिस्तान से आगे, सिपरी का दावा- नई दिल्ली के पास ज्यादा आधुनिक मिसाइलें

नई दिल्ली। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के पास पाकिस्तान के मुकाबले ज्यादा परमाणु हथियार हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि भारत के पास पाकिस्तान के मुकाबले परमाणु हथियार ले जाने वाली मिसाइलें ज्यादा आधुनिक और ज्यादा संख्या में मौजूद हैं। इससे साफ है कि परमाणु क्षमताओं के मामले में भारत, पाकिस्तान पर भारी है। हालांकि रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि पाकिस्तान परमाणु हथियार बनाने के संसाधन जुटा रहा है और जल्द ही उसके परमाणु हथियारों के जखीरे में भी इजाफा देखने को मिलेगा। सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास साल 2025 में करीब 180 परमाणु हथियार हैं। बीते साल भारत के पास 172 परमाणु हथियार थे। सिपरी ने कहा कि भारत ने न सिर्फ अपने परमाणु जखीरे में इजाफा किया है बल्कि परमाणु हथियार ले जाने वाली नई पीढ़ी की आधुनिक मिसाइलें भी विकसित की हैं। भारत की नई कैनिस्टर मिसाइलों द्वारा परमाणु हथियार को ज्यादा सुरक्षा के साथ ले जाना संभव होगा। साथ ही निकट भविष्य में एक मिसाइल से ही कई परमाणु हथियार ले जाना भी संभव हो सकेगा। पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों की संख्या 170 और बीते साल भी पाकिस्तान के पास इतने ही हथियार थे। भारत के पास अग्नि प्राइम मिसाइल है। साथ ही MIRV सक्षम अग्नि-5 मिसाइल भी है, जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। अग्नि प्राइम का बीते साल ही परीक्षण किया गया था और इसकी मारक क्षमता 1000 से लेकर 2000 किलोमीटर के बीच है। सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में आशंका जताई है कि भारत और पाकिस्तान में संघर्ष छिड़ता है तो पारंपरिक युद्ध के परमाणु युद्ध में बदलने का गंभीर खतरा है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर दोनों में से किसी देश के परमाणु हथियार ढांचे पर या किसी तीसरे देश की भ्रामक जानकारी और उकसावे के चलते दोनों देशों में परमाणु युद्ध का खतरा ज्यादा है। सिपरी की रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया कि साल 2023 से अब तक चीन सालाना 100 परमाणु हथियार बना रहा है और अब तक करीब 350 नई इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें बना चुका है। इस दशक के अंत तक चीन, रूस और अमेरिका के बराबर इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें बना चुका होगा। हालांकि चीन अभी भी रूस और अमेरिका के परमाणु हथियारों के मुकाबले अभी बहुत पीछे है। चीन अगले सात से आठ वर्षों में 1000 परमाणु हथियार बना सकता है।

जयशंकर ने यूएई और आर्मेनिया के विदेश मंत्रियों से बात की

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से तनाव का माहौल है। अब इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने इस तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे बड़े पैमाने पर युद्ध की आशंका को हवा दे दी है। इस तनाव के बीच हालात को सामान्य करने की कोशिश भी जारी है और इसी कोशिश के तहत विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात और आर्मेनिया के विदेश मंत्रियों से टेलीफोन पर बात की। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि संयुक्त अरब अमीरात के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात और इसमें कूटनीति की भूमिका पर चर्चा की। साथ ही इस मुद्दे पर संपर्क में रहने पर भी सहमति बनी। एक अन्य पोस्ट में डॉ. जयशंकर ने बताया कि उन्होंने आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारात मिर्जोयान से भी बात की। दोनों के बीच क्षेत्र के हालात और सहयोग के विषय में चर्चा हुई।

इस्राइल ने बीते शुक्रवार को ईरान के परमाणु हथियारों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे, जिसमें ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सैन्य कमांडर मारे गए थे।

इसके बाद ईरान ने भी इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला बोला। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष पर भारत ने चिंता जताई और कहा कि वह हालात पर करीब से नजर रखे हुए है। भारत नों दोनों देशों से शांति की अपील की। शुक्रवार को डॉ.जयशंकर ने इस्राइल और ईरान के विदेश मंत्रियों से भी बात की थी। जयशंकर ने बताया कि इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने उन्हें फोन किया था। इसके बाद डॉ. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरगची के बीच भी बात हुई।

दिल्ली में पैर पसार रहा कोरोना, एक और मरीज की मौत

नई दिल्ली ।

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। सोमवार को कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। जिससे यहां मरने वालों की संख्या 12 पहुंच गई है।

वहीं कुल सक्रिय मामलों की बात करें तो 649 मरीज हैं। बीते रविवार को 33 नए मरीज सामने आए थे। अभी तक ठीक हुए मरीजों की संख्या 2279 है। जबकि बीते रविवार को 158 मरीज ठीक हुए थे। राजधानी में बीते शनिवार को कोरोना से दो महिलाओं सहित तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली में 57 वर्षीय महिला की कोराना से मौत हो गई। महिला को पहले से मधुमेह के साथ फेफड़े की बीमारी थी। वहीं, मधुमेह व बीपी से पीड़ित 83 वर्षीय महिला कोरोना से संक्रमित हो गई थीं। संक्रमण बढ़ने से उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इधर, मधुमेह और लीवर की बीमारी से पीड़ित 57 वर्षीय शख्स की भी कोरोना से संक्रमित होने से मौत हो गई। ऐसे में अब तक 11 लोग दम तोड़ चुके हैं। हालांकि, संक्रमित होने वाले मरीजों की संख्या घटी है। राजधानी में कोरोना के कुल सक्रिय मरीज 682 हैं। शनिवार को 10 नए मरीज मिले। दिल्ली में एक जनवरी से अभी तक 2121 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। इनमें से 161 मरीज शनिवार को ठीक हुए।

दिल्ली के मंगोलपुरी में कॉस्मेटिक दुकान लूट का खुलासा, 4 गिरफ्तार, चाकू बरामद

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक कॉस्मेटिक दुकान पर हुई लूट की वारदात को पुलिस ने महज चंद घंटों के भीतर सुलझा लिया. पुलिस की इस तेज कार्रवाई के चलते लूट में शामिल रहे एक नाबालिग समेत कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान, जतिन (18), योगेश (18) और पार्थ (18) के रूप में हुई है. ये सभी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके के रहने वाले हैं. उनके पास से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और लूटी गई नकदी बरामद कर ली गई है. डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि, 13 जून 2025 को मंगोलपुरी के एम-ब्लॉक स्थित एक कॉस्मेटिक शॉप पर चार अज्ञात युवकों ने चाकू की नोक पर 8,000 से 10,000 तक रुपये लूट लिए थे. इस मामले में मंगोलपुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी मुरारी लाल की देखरेख और एसएचओ जोगिंदर सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी, जिसमें एसआई प्रीत, हेड कांस्टेबल अजय, नितिन, कांस्टेबल विकास और महिला कांस्टेबल नीतू शामिल थे. जांच में जुटी टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया, जिससे पता चला कि कुल छह युवक इस अपराध में शामिल थे. चार शॉप के अंदर घुसे थे, जबकि दो बाहर निगरानी में कर रहे थे. इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने स्थानीय खबरी तंत्र को सक्रिय किया और उनके बारे में जानकारियों को जुटाया गया. इसी दौरान कांस्टेबल नीतू को एक गुप्त सूचना मिली कि लूट में शामिल रहे चार संदिग्ध बापू पार्क के पास इकट्ठा होने वाले हैं. जिस पर पुलिस ने तुरंत वहां ट्रैप लगाया और चारों को मौके से दबोच लिया. इनमें से एक आरोपी के नाबालिग होने का पता चला. तलाशी के दौरान योगेश और पार्थ से लूटी गई नकदी और जतिन से वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ. पूछताछ में आरोपियों ने अपना गुनाह स्वीकारते हुए बताया कि वे सभी नशे के आदी हैं और अपने नशे की लत पूरी करने के लिए उन्होंने इस लूट की योजना बनाई थी. घटना के बाद वे बापू पार्क में पैसे बांटने के लिए मिले थे. इस मामले में पुलिस आगे की जांच में जुट कर अन्य दो आरोपियों की तलाश में लग गयी है.

भाजपा बोली- पाकिस्तान की भाषा बोल रही कांग्रेस, मुनीर पर फर्जी दावे के लिए की माफी की मांग

नई दिल्ली । पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसीम मुनीर को अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से आयोजित सैन्य परेड में बुलाए जाने को लेकर कांग्रेस के दावे पर जबरदस्त राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कारण है कि व्हाइट हाउस ने कांग्रेस के इस दावे को खारिज करते हुए फर्जी खबर बताया है। जिसके बाद भाजपा ने कांग्रेस के इस दावे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस को पाकिस्तान का प्रवक्ता बता दिया। साथ ही इन दावों को लेकर माफी की मांग भी की। बता दें कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि आसीम मुनीर को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है, जिसे उन्होंने भारत की कूटनीति के लिए बड़ा झटका बताया था। लेकिन अब व्हाइट हाउस ने इन दावों को खारिज कर दिया है और कहा है कि यह खबर फर्जी है। भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उसे पाकिस्तान का प्रवक्ता बताया। मामले में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि जयराम रमेश ने दावा किया कि आसीम मुनीर अमेरिका जा रहे हैं और इस पर लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लेकिन हकीकत यह है कि मुनीर को कोई न्योता ही नहीं मिला। कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है। निशिकांत दुबे ने कहा कि ऐसे में पाकिस्तान मुस्लिम लीग और कांग्रेस में क्या फर्क रह गया है? दुबे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकारों की विदेश नीति विफल रही है। उन्होंने खालिस्तानी आतंकवाद के मुद्दे को उठाया और कहा कि 1970 से 1984 के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कनाडा के प्रधानमंत्री को सात पत्र लिखे थे, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही उन्होंने कनिष्क विमान विस्फोट को इसका नतीजा बताया। इसके साथ ही गायक सोनू निगम ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि कांग्रेस ने एक बार फिर पाकिस्तान की बोली बोलते हुए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर शर्मिंदा किया है। जयराम रमेश ने फर्जी खबर फैलाई कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख को अमेरिकी परेड में बुलाया गया है, जो पूरी तरह झूठ निकला। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा था कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख को अमेरिकी सैन्य परेड में बुलाया गया है और यह भारत की कूटनीति के लिए एक बड़ी विफलता है। उन्होंने कहा था कि यह वही व्यक्ति है जिसने पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ भाषण दिए थे। अमेरिका आखिर करना क्या चाहता है?, कांग्रेस के इन दावों पर व्हाइट हाउस ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे फर्जी खबर बताया।

अहमदाबाद विमान हादसा और मौत के साए में जीते हुए हम

अमरेंद्र कुमार राय

डर पहले भी लगता था लेकिन अब ज्यादा लगता है। घर से बाहर निकले और पता नहीं कौन वाहन आपको कुचल जाए। ट्रेन से यात्रा कर रहे हैं तो पता नहीं कब ट्रेन किसी दूसरी ट्रेन से टकरा जाए। इधर बीच इतने रेल हादसे हुए कि लोग ट्रेन से जाने में कतराने लगे। रेल में अव्यवस्था के कारण जिस तरह से ट्रेन में जनरल क्लास वाले स्लीपर में और स्लीपर क्लास वाले एसी 3 में यात्रा करने लगे हैं, उसी तरह से बढ़ते रेल हादसों को देखते हुए लोग विमान यात्रा को तरजीह देने लगे थे। लेकिन अब तो विमान यात्रा भी सुरक्षित नहीं रही। अहमदाबाद के विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा विमान हादसा है। करीब 270 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 229 यात्री, 12 चालक दल के सदस्यों सहित और 29 वो लोग हैं जो विमान गिरने के दौरान उसकी चपेट में आये। इनमें से पांच डॉक्टर हैं। क्योंकि विमान डॉक्टरों के एक हॉस्टल से जा टकराया था। मरने वालों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी हैं। इससे पहले 1996 में यानी आज से 29 साल पहले हरियाणा के चरखी दादरी में बड़ा विमान हादसा हुआ था, जिसमें 349 लोग मारे गए थे। तब सऊदी अरब एयरलाइंस की फ्लाइट नंबर 763 की हवा में ही कजाखिस्तान एयरलाइंस की फ्लाइट नंबर 1907 से टक्कर हो गई थी। देश में इतनी मौतें हो रही हैं कि आम आदमी भले ही दुखी हो रहा हो लेकिन नेता और अधिकारी लगता है जैसे संवेदनहीन हो गये हैं। चाहे जितने सड़क हादसे हों, रेल दुर्घटनाएं हों या अब विमान दुर्घटना उनकी प्रतिक्रिया ऐसी ही कुछ होती है। जैसे लोग इस भारत भूमि की धरती पर हादसों से ही मरने के लिए आये हैं। यही वजह है कि सड़क हादसों पर परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आंकड़े बताते हैं और कहते हैं कि इन्हें कम करने की कोशिश की जा रही है। रेल दुर्घटनाओं पर अश्विनी वैष्णव खामोश रहते हैं। जब उनसे नैतिकता के नाम पर इस्तीफा मांगा जाता है तो वे लोगों को ऐसे देखते हैं जैसे उसने बहुत बड़ा पाप कर दिया है। अब अहमदाबाद के विमान हादसे पर भी केंद्रीय गृह मंत्री का रवैया ऐसा ही है। उन्होंने इसे हादसा बताया और कहा कि हादसों को हम रोक नहीं सकते। सवाल यह है कि अगर हादसों को आप रोक नहीं सकते तो किसलिए मंत्री बने बैठे हैं? लेकिन यह भी सच है कि वे जिम्मेदारी कबूल करने लगें तो सचमुच कभी का उन्हें पद से हट जाना चाहिए था। मणिपुर पिछले दो साल से ज्यादा समय से जल रहा है, हाल ही में पहलगाम में 26 लोगों की आतंकवादियों ने सामूहिक हत्या कर दी, बदले में जब भारत ने पाकिस्तान पर कार्रवाई की तो जवाबी कार्रवाई करके पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू सीमा पर करीब तीस लोगों को मार डाला, और अब इस विमान हादसे ने कम से कम 270 लोगों की जान ले ली है। लेकिन अमित शाह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यहां किसी हादसे के लिए किसी की जिम्मेदारी तय नहीं होती। यही वजह है कि ऐसे हादसे दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। अगर रेल हादसे पर अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा होता तो आगे बनने वाला रेल मंत्री ज्यादा जिम्मेदारी से काम करता। अगर मणिपुर और पहलगाम जैसी घटनाओं का जिम्मेदार मानते हुए अमित शाह को उनके पद से हटाया जाता तो इनकी जिम्मेदारी संभालने वाला दूसरा नेता ज्यादा जिम्मेदारी से काम करता। लेकिन अगर जिम्मेदारी तय होगी तो प्रधानमंत्री इससे कैसे बचेंगे? उन्हें भी तो इस्तीफा देना पड़ता? उन्होंने तो और बड़े-बड़े कमाल किये हैं। नोटबंदी से लेकर लॉक डाउन लगाने और कोरोना में ऑक्सीजन की कमी से लाखों लोगों की मौत तक। सच कहिये तो इस समय सोशल मीडिया ही मुख्य धारा की मीडिया हो गया है। मुख्य धारा की मीडिया तो सत्ता के चारण का कार्य कर रहा है। अब इसी विमान हादसे के मामले में देखिये न मुख्य धारा का मीडिया क्या कर रहा है - सत्ता की दलाली। उसकी खबर है - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया, पीएम ने गृह मंत्री अमित शाह को घटना स्थल पर भेजा, मोदी ने गुजरात के चीफ मिनिस्टर से घटना की जानकारी ली, खुद घटना स्थल पर पहुंचे और मौके का जायजा लिया, एयरपोर्ट पर ही अधिकारियों की बैठक ली। आदि..आदि। जबकि सोशल मीडिया सवाल पूछ रहा है। घटना कैसै घटी ? क्या वजह है ? विमान में क्या कमी थी? कमी थी तो इसका जिम्मेदार कौन है ? क्या जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी ? सोशल मीडिया की इस तरह की प्रतिक्रियाएं सत्ता पक्ष को पसंद नहीं आतीं। लेकिन उससे भी ज्यादा उन लोगों को चुभती हैं जिनका काम सवाल उठाना है ओर वो सवाल उठाने की बजाय सरकार की चमचागिरी में लगे हुए हैं। लेकिन वे सोशल मीडिया की भूमिका को लेकर कोई सवाल नहीं उठा पाते क्योंकि उनकी अपनी चादर बहुत मैली है।

ऐसे सवाल उठाने के लिए मीडिया के अन्ना हजारे टाइप के लोग सामने आते हैं। वे समय की मर्यादा और गरिमा की बात करते हैं और कहते हैं कि ये वक्त संवेदना जताने का है सवाल पूछने का नहीं। राहुल देव बड़े पत्रकार हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों में संपादक रहे हैं। कई मामलों पर उनका नजरिया निष्पक्ष भी नजर आता है। लेकिन पत्रकार बिरादरी में वे मूल रूप से बीजेपी और संघ समर्थक पत्रकार कहे जाते हैं। अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता का आवरण बचाये रखने के लिए वे बीच-बीच में बीजेपी और संघ के कार्यों और उनकी कार्यप्रणाली पर भी कुछ सवाल उठा देते हैं। विमान हादसे के मामले में ही चर्चित लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने जब सवाल उठाए तो ये बड़ा होने के नाते उन्हें डांटने के अंदाज में सलाह देते नजर आये। लेकिन अब ऐसे लोगों की पहचान भी सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों ने कर ली है। लोगों ने राहुल देव को ही निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इस विमान को लेकर अपने अनुभव शेयर किये हैं। विमान दिल्ली से अहमदाबाद पहुंचा था और अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। जो लोग उस विमान से दिल्ली से अहमदाबाद आये थे उनका कहना है कि विमान में एसी काम नहीं कर रहा था। एक पत्रकार हैं एस प्रदीप। उन्होंने इस विमान हादसे के बारे में सोशल मीडिया पर लिखा है। महान पर्यावरणविद सुंदर लाल बहुगुणा के पुत्र और पत्रकार राजीव बहुगुणा ने अपनी फेसबुक वाल पर उनका लिखा पेश किया है। उनके अनुसार एस प्रदीप लिखते हैं कि क्या आप जानते हैं कि एविएशन कवर करने वाले ज़्यादातर पत्रकार एयर इंडिया से यात्रा करने को सबसे लास्ट (आखिरी) ऑप्शन रखते हैं। पिछले पंद्रह सालों में (जब से मैंने एविएशन कवर करना किया) मेरी भी सबसे लास्ट च्वाएस एयर इंडिया ही रही। ये जो अहमदाबाद में बोइंग 787 ड्रीमलाइनर क्रैश हुआ इससे कोई भी पुराना एविएशन रिपोर्टर हैरान नहीं है। बस ये घटना इतने सालों बाद क्यों हुई, ये मेरे लिए सरप्राइज़ था। एयर इंडिया में बोइंग 787 ड्रीमलाइनर आने के दो साल बाद ही इसके महँगे मेंटेनेंस को लेकर सवाल उठने लगे थे। पायलटों की हड़ताल और एयर इंडिया के ख़स्ताहाल के बीच जो सबसे हैरानी वाली बात निकलकर आई थी, जिसे कोई पत्रकार हिम्मत करके भी नहीं छाप पाया था वो ये है कि एयर इंडिया की इंजीनियरिंग टीम ने एक रिपोर्ट तैयार की थी जिसमें साफ़ लिखा गया था कि कंपनी के पास अपने एयर क्राफ़्ट्स के नए स्पेयर पार्ट्स ख़रीदने तक के पैसे नहीं है। और कई सालों तक तो पुराने घिसे पिटे पार्ट्स को ठीक करके ही प्लेन उड़ाए गए। शायद आज भी वैसा ही हो रहा है। पिछले दो दशकों में ऐसी कई घटनाएँ हुई, जिसमें आम यात्रियों को ये बोला जाता रहा कि कुछ टेक्निकल कारणों से एयर इंडिया की फ़्लाइट रद्द हो गई है। लेकिन एयर इंडिया के पायलट और इंजीनियर दोस्त बताते रहे कि फटे-पुराने टायरों या फिर घटिया स्पेयर पार्ट्स की वजह से प्लेन नहीं उड़ पाए। मुझे ये बताने में बिलकुल भी हिचक नहीं है कि जब भी मुझे मजबूरन एयर इंडिया की फ़्लाइट लेनी पड़ी, मैंने हर फ़्लाइट से पहले प्लेन के टायरों की तरफ़ देखा कि कहीं ये घिसे हुए तो नहीं हैं? 2013 में मैंने अपनी आख़िरी बार बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में दिल्ली से लंदन तक की यात्रा की. लेकिन उस वक़्त भी प्लेन की हालत बेहद ख़राब थी। इंजन काफ़ी वाइब्रेट कर रहे थे और लैंडिंग इतनी हार्ड थी कि लगा किसी थर्ड हैंड फ़्लाइट में सफ़र कर रहे हों। अब सवाल ये है कि अहमदाबाद की घटना क्यों हुई और ज़िम्मेदार कौन? तो इसे सीधे शब्दों में समझिए।

सम्पादकीय...

समाज की जिम्मेदारी

भारत इस समय एक ऐसी चुनौती का सामना कर रहा है जो दिखने में व्यक्तिगत लग सकती है, लेकिन असल में यह एक गहरी सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समस्या है। नशीले पदार्थों का बढ़ता सेवन केवल स्वास्थ्य संकट नहीं है। यह हमारे युवाओं की ऊर्जा, परिवारों की स्थिरता और देश की भविष्य की संभावनाओं पर एक गहरा आघात है। इस विषय को लेकर केंद्र सरकार ने समय पर गंभीरता दिखाई है और बीते कुछ वर्षों में इसे रोकने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए हैं। 12 जून से 26 जून तक देश भर में 'नशामुक्त भारत पखवाड़ा' मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य न केवल जागरूकता फैलाना है, बल्कि जनता को इस प्रयास का सक्रिय भागीदार बनाना भी है। इसका समापन 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय ड्रग विरोधी दिवस के अवसर पर होता है, जो विश्व स्तर पर इस संकट के प्रति एकजुटता का प्रतीक बन चुका है। भारत सरकार ने 'नशामुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत कई स्तरों पर काम शुरू किया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एन.सी.बी), राज्य पुलिस बल, स्वास्थ्य मंत्रालय और सामाजिक न्याय मंत्रालय मिलकर स्कूलों, कालेजों, ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। नुक्कड़ नाटक, ई-प्लेज, डिजिटल प्रचार और सामुदायिक संवाद के माध्यम से प्रयास हो रहे हैं कि ड्रग्स को सिर्फ अपराध नहीं, एक सामाजिक बुराई के रूप में देखा जाए। लेकिन इस समस्या का केवल सामाजिक पहलू नहीं है। यह एक सुनियोजित रणनीति का भी हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत की आंतरिक शक्ति को कमजोर करना है। सीमावर्ती क्षेत्रों से ड्रग्स की तस्करी को प्रायोजित करने वाले संगठनों और पड़ोसी देशों का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं है, बल्कि वे भारत की युवा आबादी को कमजोर बनाकर देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर चोट करना चाहते हैं। जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में आता है, तो वह केवल अपना ही नुकसान नहीं करता, बल्कि उसकी ऊर्जा, प्रतिभा और योगदान से देश भी वंचित रह जाता है। यह एक प्रकार का धीमा हमला है, जो बिना गोली चलाए हमारी नींव को खोखला कर सकता है। चिंता की बड़ी बात यह भी है कि ड्रग्स की काली कमाई का इस्तेमाल पड़ोसी देश की सेना भारत में आतंकी गतिविधियों को संचालित करने के लिए करती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम ड्रग्स के विरुद्ध इस संघर्ष को केवल एक स्वास्थ्य या सामाजिक मुद्दा न मानें, बल्कि इसे राष्ट्र सुरक्षा से भी जोड़कर देखें। सरकार की तरफ से कानूनों को मजबूत करने और तस्करों पर कार्रवाई तेज करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। एन.डी.पी.एस.एक्ट के तहत तस्करी, भंडारण और वितरण पर सख्त दंड तय किए गए हैं, और तस्करों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई भी हो रही है। साथ ही, सरकार यह समझती है कि नशा करने वाले व्यक्ति को केवल अपराधी मानने से समस्या का हल नहीं होगा। इसलिए इलाज और पुनर्वास को भी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। 2024 में हरियाणा में विभिन्न नशामुक्ति केंद्रों और अस्पतालों में 6 लाख से अधिक लोगों ने इलाज के लिए संपर्क किया, जो यह दर्शाता है कि समाज में धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है। परंतु इलाज की सुविधाएं अब भी सीमित हैं और हर जिले में समुचित नशामुक्ति केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ परामर्श सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, और पुनर्वास कार्यक्रमों को भी मजबूत करने की जरूरत है। सिर्फ सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। यह एक ऐसी लड़ाई है, जिसमें समाज की भूमिका सबसे अहम है। माता-पिता, शिक्षक, समाजसेवी संस्थाएं, और मीडिया हर किसी को इस अभियान में सहभागी बनना होगा। युवाओं को शुरू से यह समझाना होगा कि नशा कोई 'स्टाइल' नहीं, बल्कि आत्म-विनाश का मार्ग है। हमें अपने बच्चों को सिर्फ करियर नहीं, चरित्र के बारे में भी बताना होगा। यह भी जरूरी है कि नशे को लेकर समाज में जो चुप्पी और शर्म है, उसे तोड़ा जाए। अगर किसी को नशा करने की समस्या है, तो उसे दुत्कारने की बजाय मदद की जरूरत है। जब समाज सहयोगी बनेगा, तभी कोई युवा खुलकर इलाज की ओर बढ़ेगा। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि इस समस्या की जड़ें कहीं गहरी हैं बेरोजगारी, मानसिक तनाव, सामाजिक दबाव और संवाद की कमी। ये सभी ऐसे कारक हैं जो युवा को नशे की ओर धकेल सकते हैं। अत समाधान केवल ड्रग्स की आपूर्ति को रोकने में नहीं, बल्कि मांग को भी सामाजिक स्तर पर घटाने में है। भारत एक युवा देश है। यही युवा हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं और यही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। अगर हम उन्हें सही दिशा दें, आत्म-विश्वास और अवसर दें, तो वे नशे जैसे किसी भी प्रलोभन को ठुकरा देंगे। इसके लिए हमें शिक्षा में सुधार, रोजगार के अवसर, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। अंततः यह हम सबकी सांझी जिम्मेदारी है। यदि सरकार प्रयास कर रही है, तो समाज को उस प्रयास को हाथ थामकर आगे ले जाना होगा। नशामुक्त भारत केवल एक संकल्प नहीं, एक राष्ट्रीय उद्देश्य है और इस दिशा में सबका सहयोग आवश्यक है।

इजराइल-ईरान युद्ध और भारत

रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष के जारी रहते हुए इजराइल ने ईरान पर हमला करके पश्चिम एशिया को एक बार फिर गर्त में धकेल दिया है। इजराइल और इराक अब एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। पहले इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों और शीर्ष सैन्य कमांडरों पर जबरदस्त हमले किए, जिसमें ईरान के कई वैज्ञानिक और सैन्य कमांडर मारे गए। इजराइली एयर फोर्स के जबरदस्त हमलों से ईरानी वायु क्षमता कमजोर दिखाई दी। इजराइली खुफिया एजैंसी मोसाद ने हमलों के लिए खुफिया तैयारी की थी। इजराइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन लगा दिए थे और इन ड्रोनों ने ईरान के सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। ईरान के नतांज परमाणु केन्द्र पर भी धमाके हुए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास की तरह ईरान को तबाह कर देना चाहते हैं तो दूसरी ओर ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयातुल्लाह खमैनी इजराइल को गम्भीर परिणामों की चेतावनी दे रहे हैं। यदपि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले इजराइली हमले से पल्ला झाड़ा लेकिन अब वह पलटी मारकर इजराइल के साथ खड़े हो गए हैं। ट्रम्प को इजराइली हमले की जानकारी न हो,यह संभव ही नहीं। अब ट्रम्प ईरान को चेतावनियां देने लगे हैं। अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका से चल रही बातचीत भी ईरान ने रोक दी है। वैसे भी इस वार्ता का कोई नतीजा निकलने वाला नहीं था। इसमें कोई संदेह नहीं कि ईरान इजराइल को तबाह करने के लिए हमास, लेबेनान में हिज्बुल्लाह और मध्य पूर्व से बाहर भी आतंकी संगठनों को फंड और हथियार देता है। अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो इससे समूचा क्षेत्रीय संतुलन ही बिगड़ जाएगा। इजराइल को खुफिया जानकारी मिली थी कि ईरान कुछ दिनों में परमाणु बम बनाने वाला है जिससे इजराइल को अपने अस्तित्व के? लिए खतरा महसूस होने लगा तो उसने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बना दिया। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं जायज हैं। उसने यूरेनियम को 60 फीसदी की शुद्धता तक संवर्धित किया है, जोकि नागरिक उद्देश्यों के लिए निर्धारित मानक से कहीं ज़्यादा है। इजराइल का कहना है कि ईरान गुप्त रूप से बम बनाने की कोशिश कर रहा है। जबकि आईएईए का कहना है कि ईरान के पास बम बनाने के लिए पर्याप्त उच्च संवर्धित यूरेनियम है लेकिन इस बात के कोई निर्णायक सबूत नहीं हैं कि ईरान इस दिशा में आगे बढ़ा है। तेहरान ने एक बार 2015 में बहुपक्षीय समझौते के हिस्से के रूप में प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने पर सहमति व्यक्त की थी लेकिन यह ट्रम्प ही थे जिन्होंने इस समझौते को विफल कर दिया था और जब ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल में बातचीत की पेशकश की तो ईरानियों ने इसे लपक लिया लेकिन इसके एवज में ईरान को अपने परमाणु संयंत्रों पर हमला मिला। इजराइल ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे पता था कि वह अमेरिका के सैन्य, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन की बदौलत किसी भी किस्म की चढ़ाई से बच सकता है। गाजा में उसके द्वारा किए गए विनाश, जिसमें 54,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं, के बाद उस पर नरसंहार करने के आरोप लग रहे हैं। हिज्बुल्लाह के साथ युद्धविराम के बावजूद वह नियमित रूप से लेबनान पर बमबारी करता रहता है। असद के शासन के पतन के बाद उसने सीरिया में और ज्यादा इलाकों पर कब्ज़ा कर लिया है और अब, ईरान पर हमला करके, तेल अवीव ने पश्चिम एशिया को सुरक्षा के और भी गहरे गर्त में धकेल दिया है। इजराइल के बेलगाम सैन्यवाद की वजह से उथल-पुथल वाले इस क्षेत्र में कूटनीति की जगह सिकुड़ती जा रही है। इस युद्ध ने भारत को बड़ी चिंता में डाल दिया है। भारत के दोनों देशों से ही अच्छे संबंध हैं। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजराइल ही एक ऐसा देश?है जो भारत के साथ खुलकर खड़ा रहा। इजराइल भारत का सबसे प्रमुख रक्षा साझेदार भी है। कारगिल युद्ध के दौरान भी इजराइल ने ही भारत को सैन्य सामग्री दी थी। कुछ माह पहले 12 हजार के लगभग भारतीय इजराइल में काम करने गए थे। वहां पहले ही 18 हजार भारतीय रहते हैं। जहां तक ईरान का संबंध है, ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण भारत की कूटनीतिक जरूरतों के हिसाब से काफी महत्वपूर्ण है। भारत इस बंदरगाह के जरिये अफगानिस्तान को जोड़ने की योजना बना रहा है।?ईरान में भी 10 हजार से ज्यादा भारतीय कामगार हैं। उनकी सुरक्षा भी बड़ी चुनौती है। अगर युद्ध लम्बा चलता है तो खाड़ी देशों में काम करने वाले एक करोड़ भारतीय नागरिकों की चिंता पैदा हो सकती है। इन कामगारों द्वारा भारत भेजे जाने वाले धन की देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका है। खाड़ी के हालात बिगड़े तो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ जाएंगी। भारत अपनी जरूरत का 60 फीसदी कच्चा तेल खाड़ी देशों से आयात करता है। भारत ने दोनों देशों से तनाव कम कर कूटनीतिक वार्ता करने की अपील की है। भारत इजराइल के खिलाफ भी नहीं जाएगा। इसलिए उसने एससीओ की तरफ से जारी इजराइली हमले की निंदा के प्रस्ताव से खुद को अलग कर लिया है। भारत, ईरान, पाकिस्तान, रूस, चीन और मध्य एशिया के कुल 10 देश एससीओ के सदस्य हैं। इससे पहले गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र आम सभा में गाजा में इजराइल के हमले की निंदा करते हुए वहां शांति स्थापित करने के लिए प्रस्ताव पर हुई वोटिंग के दौरान भारत अनुपस्थित रहा। भारत के लिए स्थिति काफी जटिल है। भारत को बुद्ध की धरती कहा जाता है। भारत ने हमेशा शांति स्थापना पर ही बल दिया है। भारत के दोनों देशों से अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए भारत ने खुद को तटस्थ बनाए रखा है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में भारत क्या भूमिका निभाता है।

बोइंग पर उठते सवाल !

अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना के बाद भारत सरकार ने इस दुर्घटना की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठित की है और विमान निर्माण कंपनी बोइंग ने भी सहयोग की पेशकश की है। अन्य विदेशी जांच एजेंसियां भी इस जांच में जुट गई हैं। हवाई जहाज़ के निर्माण में बोइंग एक रसूखदार कंपनी है। बावजूद इसके बोइंग की कार्यक्षमता पर सवाल उठते रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक फ़िल्म वायरल हो रही है कि बोइंग कंपनी के ही एक इंजीनियर जॉन बार्नेट, जिसने बोइंग की अंदरूनी क्षमताओं पर महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे, उसे 2024 में रहस्यमय परिस्थितियों में बोइंग कंपनी की ही कार पार्किंग में मृत पाया गया। जब किसी विमान दुर्घटना में पायलट भी मारे जाते हैं तो एक आम चलन है कि पावरफुल लॉबी सांठगांठ करके जांच का रुख इस तरह मोड़ देती हैं कि दुर्घटना के लिए पायलट को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। क्योंकि वो अपना पक्ष रखने के लिए अब जीवित नहीं होता। इसलिए ज़रूरी है कि सभी जांच एजेंसियां इस दुर्घटना की पूरी ईमानदारी से जांच करें। दुनियाभर में लाखों लोग बोइंग कंपनी के हवाई जहाज़ों में रोज उड़ रहे हैं। उन सबकी सुरक्षा के हित में भी यह ज़रूरी है कि बोइंग कंपनी उसके विरुद्ध अक्सर लगाए जाने वाले सभी आरोपों का स्पष्ट जवाब दे और यदि उसकी निर्माण प्रक्रिया में ख़ामियां हैं तो उन्हें अविलंब सुधारे। 12 जून 2025 को अहमदाबाद में हुई भयानक विमान दुर्घटना में जीवित बचे विश्वास कुमार रमेश ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। एयर इंडिया की फ्लाइट 171 के इस दुखद हादसे में 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों सहित 241 की मौत हो गई और केवल एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश जीवित बचा। यह घटना विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की उन असाधारण कहानियों में से एक है, जो न केवल चमत्कार को दर्शाती हैं, बल्कि मानव की जीवटता और भाग्य की अनिश्चितता को भी उजागर करती हैं। विश्वास कुमार रमेश, 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक हैं, जो भारतीय मूल के हैं। उस दिन सीट नंबर 11ए पर बैठे थे, जो एक आपातकालीन निकास द्वार के पास थी। हादसे के तुरंत बाद विश्वास ने भारतीय मीडिया को बताया कि, मैं यह नहीं समझ पा रहा कि मैं कैसे बच गया। सब कुछ मेरी आंखों के सामने हुआ। मैंने सोचा कि मैं भी मर जाऊंगा लेकिन जब मैंने आंखें खोलीं तो मैंने खुद को जिंदा पाया। उन्होंने बताया कि उनकी सीट के पास का हिस्सा जमीन पर गिरा और आपातकालीन निकास द्वार टूट गया था, जिसके कारण वे बाहर निकल पाए। विमान का दूसरा हिस्सा इमारत की दीवार से टकराया था, जिसके कारण वहां से निकलना असंभव था। विमान दुर्घटनाओं में एकमात्र बचे लोगों की कहानियां बेहद दुर्लभ हैं लेकिन ये मानव की जीवटता और कभी-कभी भाग्य के खेल को दर्शाती हैं। इतिहास में कुछ ऐसी घटनाएं दर्ज हैं जिनमें एकमात्र व्यक्ति ही जीवित बचा। जूलियन कोएपके 17 साल की एक जर्मन लड़की थी जो 1971 में पेरू के अमेज़न जंगल में हुई लांसा फ्लाइट 508 की दुर्घटना में एकमात्र जीवित बची थी। विमान 10,000 फीट की ऊंचाई से गिरा और जूलियन अपनी सीट से बंधी हुई जंगल में जा गिरी। गंभीर चोटों के बावजूद वह 11 दिनों तक जंगल में भटकती रही।

तू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं

कड़ी मेहनत और लग्न से किया गया कार्य आपको जिंदगी में आगे तक पहुंचा सकता है। (7) अपनी क्षमता और कमजोरियों की पहचान-जीवन में सफलता हमेशा उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी क्षमताओं और कमजोरियों को पहचानकर मेहनत करता है। (8) दूसरों से तुलना ना करें- हर व्यक्ति की अपनी योग्यता और क्षमता होती है। अच्छे छात्र भी अपनी क्षमता के दम पर ही सफल होते हैं न कि दूसरों की नकल करके। आप भी जीवन में सफल होने के लिए अपने तरीके से मेहनत करें। (9) साहस-जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आपने अपने लक्ष्य तय कर लिया हैं और उसकी पूरी तैयारी भी कर ली हैं. पर साहस ही जीवन में सफलता के लक्ष्य तक पहुंचता हैं

वैश्विक स्तरपर भारत के हमारे बड़े बुजुर्गों की जो कहावतें हैं, वह आदिलोक आदिकाल की हैं, परंतु हम आज के युग में भी और अपनी अगली पीढ़ियों में भी देखेंगे तो यह बिल्कुल फिट बैठती है। बड़े बुजुर्गों के एक-एक शब्द हीरे मोती के तुल्य हैं, बस पहचानने वाले जौहरी वाली नज़र की ज़रूरत है। अगर हम गहराई में जाकर उन कहावतों और शब्दों के अर्थों को अपने जीवन में ढाल दिया तो साथियों दुखों की हिम्मत नहीं, असफलताओं की ताकत नहीं,जो हमारी ओर करवट बदल सके, बस जरूरत है हिम्मत, जज्बे, संकल्प की। सफलता तुम्हारे आगे सर झुकाए खड़ी होगी।आज हम उन वैचारिकताओं के एक अंश, बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर चर्चा करेंगे। वैसे तो कहावतें बहुत हैं जैसे दाने-दाने को मोहताज, ढाक के तीन पात, बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला, घर का भेदी लंका ढाए, बंद मुट्ठी लाख की खुल गई तो फिर खाक की सहित हजारों कहावतें हमें मिलेगी पर आज हम चर्चा,तू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं।अगर रखना ही है कदम तो आगे रख, पीछे खींचने के लिए लोग हैं इस कहावत पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम, हतोत्साहित वह नुक्ताचीनी करने वाले चंद लोगों की करे तो,यह बिल्कुल कहावत सच बैठती है कि जिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे ही हैं। आपके सफलता की लाइन को टच करते ही लोग आपके पैर खींचने लगते हैं,जिसका मूल कारण द्वेष, प्रतिपक्ष में आत्मविश्वास की कमी, नकारात्मकता, मेहनत की कमी, अपने आप को यूसर्टिफाई करने की चाहत, अनकॉन्शियसली इंटेंशन, अपना स्टेटस बनाए रखना, कुदृष्टि और समाज में अपनी प्रतिष्ठा कम होने का डर इत्यादि के कारण है कि ऐसे लोग, किसी दूसरे अपने समकक्ष या प्रतिद्वंदी व्यक्ति को या तो सफल नहीं होने देते या सफलता की सीढ़ी पर पहुंचने के बाद उसके पैर खींचने में अपनी ताकत लगा देते हैं,ऐसा सदियों से युगा युगांतर से होता आया है।हर क्षेत्र में चाहे वह राजनीति, शिक्षा, सरकारी, गैर सरकारी, सामाजिक, सहकारिता, इत्यादि हर क्षेत्र में हमें कहीं ना कहीं दो व्यक्तियों, अनेक व्यक्तियों, समूह, दो गुटों, में टांगें खींचने की प्रथा होती आई है। सफलता के पैर खींचने की यह प्रथा राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है। आए दिनों हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका नजारा देख रहे हैं कि, एक देश की नजर विश्व का ताज पहनने की चाहत की ओर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोविड- 19 फैलाने के आरोप के बाद उसकी अब इस साजिश पर दुनियाँ हैरान, है,अमेरिका को भूख मारने का था प्लान-फंगस के ज़रिए,अनाज,खाद्य पदार्थ, फसलों को बर्बाद करना था प्लान। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो अभी के ही रिसेंटली दिनों में भी राजनीतिक, खेल जगत सहित अनेक क्षेत्रों में बड़े-बड़े केस इसी की परिणति है कि अपनी प्रतिष्ठा, पद और स्थान बनाए रखने के लिए अनेक क्षेत्रों में हत्या राजनीति जगत में गंभीर आरोप हम सब देख रहे हैं। जो दूसरों के सफलता की सीढ़ी पर पहुंचने के कारण खुद के पद,मान, प्रतिष्ठा छीनने का डर जिन्हें होता है। वही इस तरह से सफल व्यक्ति के विरोध में यह काम करते हैं। एक इंसान की आदतें ही यह तय करती हैं कि वह अपनी ज़िंदगी में कितना सफल बनेगा और कितना आगे जाएगा द्य हर व्यक्ति सफल होना चाहता है पर हर किसी को सफलता नहीं मिलती द्य किसी इंसान की गलत आदतें उसको नाकामयाबी के अंधेरे में डुबा देती और उसी जगह अच्छी आदतें उस इंसान को कामयाबी की ऊँचाइयों तक पहुँचा देती हैं साथियों बात अगर हम कमियां ढूंढने वाले निंदक लोगों की करें तो,लोग बुराई इसलिए करते हैं,एक तो निन्दा का रस बडा ही स्वादिष्ट होता है जो एक बार मुँह लग जाए, फिर बार बार चखने को जी चाहता है।इस का स्वाद तो बचपन में ही परिवार व समाज द्वारा चखा जो दिया जाता है!अहं को संतुष्ट करना होता है कि देखो वह कितना बुरा है और हम कितने अच्छे हैं!जिसका जितना मोटा अहं, उसको निन्दा की खुराक भी उतनी ज्यादा चाहिए होतीहै। मेरा मानना है कि कमियां निकालने वालों या निंदकों को एक बहाना चाहिए होता है निन्दा का शिकार ढूँढने का।एक अजीब सी बढ़िया अनुभूति होती है उनको शिकार को निन्दा के तीर से मारने में!संयोग से एक दिन सत्संग में सुना:निन्दक व्यक्ति निन्दित व्यक्ति के धोबी के समान है। जैसे धोबी कपड़े के मैल को धोता है,वैसे निन्दक निन्दित व्यक्ति के बुरे कर्मों को धो देता है।और तो और निन्दक के बुरे कर्म निन्दा करने से और बढ़ जाते हैं।अब सत्संग तो सच का संग है,मैं वहाँ पर वर्णित किसी बात को असत्य नहीं समझ सकता। फिर भी लोग उतने महान तो नहीं है कि निन्दा करने में शून्यप्राय हो जाए लेकिन कर्मो वाली बात से इतना डर लगता है कि किसी की निन्दा करने से पहले हजार बार सोचना चाहिए कि अगले के कर्मों की मैल से मैं स्वयं को और मैला क्यों करूँ,मेरे कर्म कौनसा पहले ही उच्चकोटि के हैं? जाने अनजाने कुछ न कुछ तो गलत कर्म सबसे ही हो जाते हैं।हर वक्त दूसरे की बुराई करने वालों, कृपया इस तथ्य पर ध्यान दीजिए और कबीर दास जी के इस दोहे को याद कीजिए,वाकई यह दोहा सबके जीवन का परम सत्य है, कोई भी यहाँ दूध का धुला नहीं है।

बुरा जो देखन मैं चला,बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।

अतः निन्दा का पत्थर वही मारे जिसने कभी कोई निन्दनीय कार्य न किया हो अन्यथा निन्दक को स्वयं की अंतरात्मा धोबी कहकर ही पुकारेगी! साथियों बात अगर हम पते की करें तो हमें सफलता प्राप्त करने वालों के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़े होना चाहिए। उनसे प्रेरणा लेने का साहस जुटाना चाहिए। उनको अपना प्रेरणास्त्रोत बनाना चाहिए, ना कि उनकी टांगें खींचना चाहिए।

बड़े बुजुर्गों ने भी कहा है कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं वह उसी गड्ढे में खुद गिरते हैं, बात सोलह आने सच है। साथियों बात अगर हम प्रेरणा और सफल आदमी से प्रोत्साहन पाने की करें तो मेरी है निजी राय है कि सफलता के10 गुण होना चाहिए।(1) -लक्ष्य तय होना-एक सफल इंसान बनने के लिए या जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है लक्ष्य तय करना।जब तक आप लक्ष्य तय नहीं कर लेते, तब तक मानो आप सफलता से काफी दूर खड़े है। (2)- मजबूत इच्छा शक्ति-अगर किसी काम को करने की हमारी इच्छाशक्ति मजबूत और दृढ़ है, तो कुछ भी नामुमकिन नही है और हम हर काम को संभव बना सकते हैं। (3) नकारात्मकता-यह एक ऐसी चीज है जो हमारे हर सपने को बर्बाद कर सकता है। हम जब भी कुछ करना चाहते हैं सबसे पहले यही सोचते हैं नहीं हम नहीं करपाएंगे, हमारे अंदर इस काम की क्षमता नहीं है यह नकारात्मक विचार, होने वाले काम को भी बिगाड़ सकते हैं इसीलिए जहां तक संभव हो नकारात्मकता से बचना चाहिए (4) हमेशा सच्चाई की राह पर रहना चाहिए (5) धैर्यवान बनना चाहिए (6) कड़ी मेहनत-कड़ी मेहनत,जीवन में कोई भी कार्य में अगर सफलता हासिल करनी हैं तो उसके लिए कठिन परिश्रम करना बेहद ही जरुरी हैं। कड़ी मेहनत के बिना सफलता प्राप्त करना नामुमकिन सा हैं। कड़ी मेहनत और लग्न से किया गया कार्य आपको जिंदगी में आगे तक पहुंचा सकता है। (7) अपनी क्षमता और कमजोरियों की पहचान-जीवन में सफलता हमेशा उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी क्षमताओं और कमजोरियों को पहचानकर मेहनत करता है। (8) दूसरों से तुलना ना करें- हर व्यक्ति की अपनी योग्यता और क्षमता होती है। अच्छे छात्र भी अपनी क्षमता के दम पर ही सफल होते हैं न कि दूसरों की नकल करके। आप भी जीवन में सफल होने के लिए अपने तरीके से मेहनत करें। (9) साहस-जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आपने अपने लक्ष्य तय कर लिया हैं और उसकी पूरी तैयारी भी कर ली हैं. पर साहस ही जीवन में सफलता के लक्ष्य तक पहुंचता हैं इसीलिए साहस का होना परम आवश्यक है।(10)-आत्मा विश्वास-यहीं सफलता की सीढ़ी का आधार है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करेंगे तो हम देखेंगे कितू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं।

अगर रखना ही है कदम तो आगे रख,पीछे खींचने के लिए लोग हैंजिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे हैं। सफलता की लाइन टच करते ही लोग आपके पैर पीछे लग जाते हैं। याने श्रेष्ठतम सफलता कांटों का ताज है।इसके लिए हिम्मत, जज़्बा और हौसले रूपी मंत्र का प्रयोग करना बहुत जरूरी है और आलोचना करने वाले प्रतिपक्ष को उपरोक्त 10 मंत्रों का पालन कर अपनी जिंदगी को श्रेष्ठतम बनाया जा सकता है जिससे उनका लोग भी सुधरेगा और परलोक में भी बाहर आएगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महापौरों को बताया शहरों के विकास का सारथी

चंडीगढ़ ।

झहरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापौर अपने-अपने शहरों के प्रथम नागरिक होने के साथ-साथ वहां के विकास और प्रगति के प्रत्यक्ष सारथी भी हैं। उन्होंने कहा कि महापौर सरकार की नीतियों और योजनाओं को धरातल पर उतारते हैं, नागरिकों की आकांक्षाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। स्थानीय स्वशासन की परिकल्पना में महापौर रीढ़ के समान हैं। मुख्यमंत्री श्री सैनी आज पंचकूला में आयोजित अखिल भारतीय महापौर कार्यकारी परिषद की 115वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।

शहर आर्थिक विकास के इंजन और नवाचार के केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में महापौर जनता द्वारा सीधे चुने जाते हैं और उनके पास कार्यकारी शक्तियां होती हैं। यह व्यवस्था नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच मजबूत सेतु बनाती है और निर्णय प्रक्रिया को अधिक जवाबदेह तथा प्रभावी बनाती है। उन्होंने कहा कि आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब शहरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। शहर केवल निवास स्थान नहीं हैं, बल्कि आर्थिक विकास के इंजन, नवाचार के केंद्र और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के संगम हैं।

अर्बनाइजेशन को चुनौती नहीं, अवसर मान रहा है हरियाणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम अर्बनाइजेशन को चुनौती नहीं, अवसर मानते हैं। हमारा विजन है कि

पंचकूला में अखिल भारतीय महापौर कार्यकारी परिषद की 115वीं बैठक का आयोजन
हरियाणा में शहरी विकास को मिली नई गति, 2047 तक बड़ा बदलाव लाने का संकल्प

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंचकूला में आयोजित अखिल भारतीय महापौर परिषद की 115वीं कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए। (16.06.2025)

शहर 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का संगम बनें। हमें शहरों को केवल इमारतों और सड़कों का ढांचा नहीं बनाना, बल्कि उन्हें जीवंत, संवेदनशील और आत्मनिर्भर भी बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत की लगभग 900 मिलियन आबादी शहरों में निवास करेगी। यह सिर्फ संख्या नहीं है, बल्कि एक बड़ी संभावना है। नए अवसरों, नए इन्फ्रास्ट्रक्चर और नई जीवनशैली की। हमें इस परिवर्तन को सुनियोजित शहरीकरण, डिजिटल एकीकरण और पर्यावरण संरक्षण के साथ अपनाना है।

हरियाणा में शहरी विकास को मिली गति

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में शहरी स्थानीय निकायों को विकास कार्यों के लिए 2014-15 में 1,693 करोड़ रुपये की राशि दी गई थी, जिसे 2025-26 में बढ़ाकर 5,666 करोड़ रुपये कर दिया गया है। चार मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण बनाए गए हैं और फरीदाबाद व करनाल को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत फरीदाबाद में 930 करोड़ रुपये की लागत से 45 परियोजनाएं तथा करनाल में 927 करोड़ रुपये की लागत से 122 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 2,147 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया गया है और नई अधिकृत कॉलोनियों में एक हजार करोड़ रुपये से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

शहरी परिवहन, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में बड़ी उपलब्धियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत मिशन के तहत अब तक 2,930 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। 375 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लक्ष्य में से 9 शहरों में 50 बसें चलाई जा चुकी हैं और प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 2026 तक 450 बसें खरीदी जाएंगी।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 21,431 मकान बनाए जा चुके हैं और 11,412 मकान निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 14 शहरों में 15,256 परिवारों को प्लॉट दिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण, सामुदायिक कंपोस्टिंग और बायोगैस संयंत्रों के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में हरियाणा ने सराहनीय कार्य किया है। नागरिकों को शहरी सेवाएं आसानी से मिलें, इसके लिए हर प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाया गया है।

महापौरों से शहरों को ब्रांड बनाने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बैठक पिछले अनुभवों की समीक्षा, नई चुनौतियों पर चर्चा और मेयर निकायों को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने सभी महापौरों से आह्वान किया कि वे अपने शहर को ब्रांड बनाएं, उसे विशिष्ट पहचान दें और इस मिशन में भागीदार बनें। उन्होंने विश्वास जताया कि परिषद की यह बैठक सार्थक चर्चा और नए संकल्पों के साथ समाप्त होगी तथा सभी प्रतिनिधि अपने-अपने शहरों में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने की अभूतपूर्व प्रगति

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 11 वर्षों में अद्वितीय प्रगति की है। 2014 में जब प्रधानमंत्री जी ने शपथ ली थी, तब भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी। आज भारत 2025 तक चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुका है और 2029 तक तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने 2047 से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया है, वह निश्चित रूप से साकार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने महापौर और अध्यक्ष के चुनाव सीधे करवा कर उनकी प्रतिष्ठा और विकास की गति को बढ़ाने का कार्य किया है। अंत्योदय की भावना के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए सभी महापौरों को और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करना होगा।

इंदौर मॉडल की सराहना और प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने इंदौर की स्वच्छता रैंकिंग की सराहना करते हुए कहा कि मेयर और पार्षदों को इंदौर जाकर वहां की योजनाओं और मॉडल का अध्ययन करना चाहिए ताकि हरियाणा के शहरों में भी उसी प्रकार के मॉडल लागू किए जा सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं की सफलता में महापौरों की भूमिका की सराहना की और कहा कि इन योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य महापौरों द्वारा ही होता है। इस बैठक में राज्यसभा सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा, कालका से विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, ऑल इंडिया मेयर काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती माधुरी अतुल पटेल, ऑल इंडिया मेयर काउंसिल के ऑर्गेनाइजिंग जनरल सेक्रेटरी एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर, ऑल इंडिया मेयर काउंसिल की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं करनाल की मेयर श्रीमती रेणु बाला गुप्ता, पंचकूला के मेयर श्री कुलभूषण गोयल तथा विभिन्न राज्यों के मेयर उपस्थित रहे।

एक नजर

हरियाणा में हुए पंचायत उपचुनाव में 73.25 प्रतिशत रहा मतदान

अब किसी भी पंचायत राज संस्थान का चुनाव आयोग के पास लंबित नहीं : धनपत सिंह

चंडीगढ़ । हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त श्री धनपत सिंह ने कहा है कि कल 15 जून को पंचायतों के उपचुनाव व कुछ पंचायतें जो नगरपालिका से पुनः पंचायत बनी हैं के आम चुनाव को सम्पन्न करवाने उपरांत अब राज्य चुनाव आयोग के पास किसी भी पंचायत का चुनाव लंबित नहीं है। इसके अलावा, कालांवाली, सिरसा के लिए आम चुनाव के लिए मतदान 29 जून, 2025 को होना है। उसके लिए आज नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। मतदान गणना 30 जून को होगी इसके साथ ही किसी भी स्थानीय निकाय के लिए होने वाले चुनाव आयोग के पास लंबित नहीं है। कालांवाली नगरपालिका में 17 वार्डों के लिए चुनाव होना है। श्री धनपत सिंह आज 15 जून को हुए पंचायतों के हुए उपचुनाव के बाद अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उपचुनाव का प्रतिशत गर्मी के बावजूद भी 73.25 प्रतिशत रहा जो दर्शाता है कि लोगों की पंचायती चुनाव में काफी दिलचस्पी है। उन्होंने बताया कि कोर्ट स्टे को छोड़कर किन्हीं कारणों से जैसा कि चयनित जन प्रतिनिधि द्वारा स्वेच्छा से त्याग पत्र देना, मृत्यु हो जाना या किसी जनप्रतिनिधि के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के कारण सीट रिक्त हो जाती है तो उस स्थिति में आयोग को 6 महीने के अंदर-अंदर पुनः चुनाव करवाना अनिवार्य होता है। श्री धनपत सिंह ने बताया कि कुल मिलाकर पंचायत स्तर पर पंचों की 830, सरपंचों की 74, पंचायत समिति सदस्यों की 17 और जिला परिषद सदस्य की 1 सीट के लिए उपचुनाव निर्धारित किए गए थे। इनमें से पंचों व सरपंचों के पदों पर कई उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। उन्होंने बताया कि अब चरखी दादरी जिले की बाढ़डा खंड की ग्राम पंचायत हंसावास खुर्द तथा बाढ़डा व झज्जर जिले के बादली खंड की ग्राम पंचायत बादली व मुहम्मदपुरा माजरा तथा फैजाबाद ग्राम पचांयतों के पंचों व सरपंचों के आमचुनाव के साथ-साथ 56 पंचों, 61 सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों के 8 सदस्यों तथा जिला परिषद सदस्य की 1 सीट के लिए चुनाव 15 जून को सुबह 8 बजे सांय 6 बजे तक करवाए गए। मतदान में ईवीएम का प्रयोग किया गया। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह से शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना का समाचार नहीं मिला। फतेहाबाद जिले की तमसपुरा पंचायत के सरपंच, करनाल जिले की घरौंदा ब्लॉक समिति के वार्ड नंबर 12 के सदस्य, नूंह जिले की दुबालु, करहेड़ा, अंधाकि, बधह, डुंगजा पंचायत के सरपंच व कोटला के पंच व अहार के सरपंच के लिए चुनाव न्यायलय में स्टे होने के कारण नहीं करवाए गए।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 27 से पंचकूला में

चंडीगढ़ । राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष वर्ग) का आयोजन 27 जून से 29 जून तक पंचकूला में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में महिला (सीनियर वर्ग) में भार 45-48 किलोग्राम, 51 किलोग्राम, 54 किलोग्राम, 57 किलोग्राम, 60 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 70 किलोग्राम, 75 किलोग्राम, 80 किलोग्राम, +80 किलोग्राम तथा पुरुष (सीनियर वर्ग) में 47-50 किलोग्राम, 55 किलोग्राम, 60 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 70 किलोग्राम, 75 किलोग्राम, 80 किलोग्राम, 85 किलोग्राम, 90 किलोग्राम, +90 किलोग्राम भार वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

पंचकूला के बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं सुनवाई आज

चण्डीगढ़ । उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यूएचबीवीएन सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 17 जून को सुबह 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय पंचकूला में की जाएगी। मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे। इनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जोड़ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं। बहरहाल, मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126 तथा धारा 135 से 139 के अन्तर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुर्माना और धारा 161 के अन्तर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी।

हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगा चुकी बीजेपी की निगाह बिहार के चुनाव पर, सीएम सैनी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाने के बाद भाजपा की निगाह बिहार के चुनाव पर है। भाजपा ने पंजाब की लुधियाना लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को जीत के समीकरण पार्टी के हक में करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। इस दायित्व को पूरा करने के लिए नायब सैनी लुधियाना का दौरा कर चुके हैं और वहां उद्यमियों से एकांतिक वार्तालाप कर चुके हैं। बिहार में नवंबर माह में विधानसभा चुनाव हैं। भाजपा की ओर से जहां हरियाणा में रह रहे बिहारी लोगों को लुभाने के लिए निरंतर उनकी बैठकें आयोजित की जा रही हैं, वहीं मुख्यमंत्री नायब सैनी छह जुलाई को पटना के दौरे पर जाने वाले हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ओबीसी समाज का बड़ा चेहरा हैं। राज्य में भाजपा की तीसरी बार की जीत में ओबीसी समाज का बड़ा योगदान रहा है। बिहार में भी ओबीसी की संख्या बहुत अधिक है, जिन्हें अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा पार्टी के अन्य नेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भी सेवाएं लेगी। बिहार भाजपा ने पटना में छह जुलाई को ओबीसी समाज का बड़ा सम्मेलन रखा है, जिसमें मुख्यमंत्री भागीदारी करने पहुंच रहे हैं। पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में यह सम्मेलन माली समाज का होगा। हालांकि भाजपा ने अधिकृत रूप से इस सम्मेलन की घोषणा नहीं की है और माली समाज के लोग ही इसके आयोजक हैं, लेकिन आंतरिक तौर पर भाजपा की बिहार इकाई ने इस पूरे आयोजन की रूपरेखा तैयार की है। हरियाणा के एनसीआर इलाके में बिहार मूल के लोगों का बड़ा वर्ग रहता है। इस वर्ग को लुभाने के लिए भाजपा निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री नायब सैनी व हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली बिहार मूल के इन लोगों से मुलाकात कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल जब साढ़े नौ साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे, तब बिहार व उत्तर प्रदेश मूल के लोगों के साथ उनका अच्छा तारतम्य रहा। वे उनके धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में शामिल होते रहे हैं। यही कार्य मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कर रहे हैं। हरियाणा में रह रहे बिहार के लोगों की वहां के चुनाव में विशेष ड्यूटी लगाई जा रही है। भाजपा ने राज्यभर में जनसंवाद अभियान की योजना बनाई है, जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूती मिल सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के जालंधर, जीरकपुर, लालडू, डेराबस्सी और संगरूर के साथ मोहाली में भी पंजाब के लोगों के सामाजिक व राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी कर रहे हैं। उनका आम हरियाणवी भाषा में लोगों के साथ संवाद सभी को खूब पसंद आ रहा है। पंजाब में सीएम नायब सैनी की सक्रियता के बाद आम आदमी पार्टी के नेता चिंतित हैं। पंजाब की ओर से हरियाणा को पीने का पानी नहीं दिए जाने पर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच जो रार हुई है, उससे हरियाणा को राजनीतिक माइलेज मिला है। हरियाणा की ओर से यह सहानुभूति प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की गई कि पंजाब जानबूझकर हरियाणा के लोगों को प्यासा रखना चाह रहा है। भाजपा इस मुद्दे पर हरियाणा के लोगों का पूरा समर्थन प्राप्त करने में कामयाब रही है। पंजाब में पिछड़ा वर्ग के साथ-साथ अनुसूचित समाज के वोट भरपूर हैं। कुल मिलाकर पंजाब व बिहार की धरती पर सीएम हरियाणा के यह दौरे एक तीर से कई निशाने साधने की रणनीति का हिस्सा हैं।

11 साल में टोल फ्री नंबर पर मिली सभी शिकायतों का शत-प्रतिशत समाधान : मंत्री राजेश नागर

चंडीगढ़ । हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की एक बड़ी उपलब्धि है कि विभाग ने पिछले 11 सालों में प्रदेश के उपभोक्ता सहायता केंद्र में आई सभी शिकायतों का शत-प्रतिशत समाधान कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री राजेश नागर ने बताया कि राज्य उपभोक्ता सहायता केंद्र में हेल्पलाइन नंबर पर वर्ष 2014 से फरवरी 2025 तक कुल 76,826 शिकायतें प्राप्त हुई तथा सभी शिकायतों का शत-प्रतिशत समाधान कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य उपभोक्ता सहायता केंद्र तत्परता से प्रदेश के आम जन की समस्याओं के समाधान में जुटा हुआ है। विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की शिकायतों के निवारण और समाधान करने के लिए राज्य उपभोक्ता सहायता

2014 से लेकर फरवरी 2025 तक उपभोक्ता सहायता केंद्र में प्राप्त हुई 76,826 शिकायतें, सभी का किया गया समाधान - राजेश नागर

केंद्र सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यरत हैं। विभाग द्वारा हरियाणा राज्य में उपभोक्ता शिकायतें सुलझाने के लिए राज्य उपभोक्ता हेल्पलाइन संचालित है। उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रावधानों के बारे में मार्गदर्शन दिया जाता है। इसके लिए टोल फ्री नंबर है - 1800-180-2087, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए नंबर है 1967, एक राष्ट्र- एक राशन कार्ड के लिए नंबर है- 1800-180-2045 और एक राष्ट्र एक राशन कार्ड प्रवासी मजदूर के लिए टोल फ्री नंबर- 14445 है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की निविदा राशि वाली प्रमुख सिंचाई और जल संसाधन परियोजनाओं की समीक्षा की

चण्डीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार सिंचाई एवं जल ढांचे को मजबूत करने के लिए दृढ़ एव ठोस कदम उठा रही है, जिसके तहत सिंचाई और जल संसाधन विभाग के अंतर्गत पांच प्रमुख परियोजनाएं क्रियान्वित हो रही हैं, जिनमें से प्रत्येक में 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ाना, सिंचाई दक्षता में सुधार करना शामिल है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परियोजनाओं की इंजीनियरिंग ड्राइंग में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। ड्राइंग के अनुमोदन में देरी के चलते परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब होता है। उन्होंने ड्राइंग में अनुमोदन में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने परियोजनाओं में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार से समझौता नहीं किया जाएगा। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दादूपुर से हमीदा हेड तक नई समानांतर लाइन चैनल (पीएलसी)

और डब्ल्यूजेसी का आधुनिकीकरण 274.87 करोड़ रुपये के साथ किया जा रहा है।

इस परियोजना का लक्ष्य गैर-मानसून अवधि के दौरान हथिनीकुंड बैराज से होने वाले रिसाव के नुकसान को कम करना है। अब तक 64.5 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। परियोजना को मार्च, 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डब्ल्यूजेसी ब्रांच (75.25 किमी) तक ऑग्मेंटेशन नहर का पुनर्निर्माण 383 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इस परियोजना का 81 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और जून, 2025 तक पूरा होने की संभावना है। इसी प्रकार पीडी ब्रांच (मुनक से खुबडु हेड) की लाइनिंग और रीमॉडलिंग का कार्य 197.80 करोड़ रुपए से किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत 145.25 किलोमीटर में कंक्रीट लाइनिंग का कार्य शामिल है। उन्होंने कहा कि 145.99 करोड़ रुपये की लागत वाली हथिनीकुंड बैराज के डाउनस्ट्रीम में डायाफ्राम वॉल के निर्माण की संरचनात्मक सुरक्षा परियोजना का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार, गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (एनपीसीआईएल) के तहत गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पानी की आपूर्ति के लिए 442.64 करोड़ रुपये की लागत से आरसीसी बैरल और लिंक चैनल का निर्माण किया जा रहा है। इसका अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मानसून 2025 के लिए सिंचाई विभाग ने मानसून के दौरान निर्बाध जल आपूर्ति और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक रणनीतियों की रूपरेखा तैयार की है। इसमें हथिनीकुंड बैराज पर अस्थायी सुरक्षात्मक कार्य और महत्वपूर्ण नहरों में निर्वहन क्षमता को अधिकतम करना शामिल है। हरियाणा सरकार इन मेगा-प्रोजेक्ट्स के समय पर

इन परियोजनाओं का उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ाना, सिंचाई दक्षता में सुधार करना मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं की इंजीनियरिंग ड्राइंग में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के दिए निर्देश तेजी से काम पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी, अंतर-विभागीय समन्वय और हितधारक जुड़ाव को दी जा रही प्राथमिकता

क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है, जो राज्य की जल सुरक्षा और कृषि स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। चुनौतियों पर काबू पाने और तेजी से काम पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी, अंतर-विभागीय समन्वय और हितधारक जुड़ाव को प्राथमिकता दी जा रही है। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, ईआईसी श्री सतबीर कादियान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और उनके स्टाफ ने बनवाए आभा कार्ड

चंडीगढ़ ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने आज अपना और अपने स्टाफ का आभा कार्ड बनवाया। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यों की समीक्षा भी की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) एक परिवर्तनकारी पहल है जिसका उद्देश्य एक सहज और अंतर संचालन (इंटरऑपरेबल) योग्य डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को डिजिटल बनाना है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना और अंतर-संचालनीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों का उपयोग करके विभिन्न

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राज्य में 1.63 करोड़ आभा कार्ड बनाए गए

हितधारकों के बीच निर्बाध डेटा साझाकरण को सक्षम बनाना है इस योजना की मुख्य विशेषताएं डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं का लाभ उठाना है। यह योजना कड़े डेटा सुरक्षा उपायों के साथ बनाई गई है। रोगी का डेटा केवल स्पष्ट सहमति से साझा किया जाता है। स्वास्थ्य डेटा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के पास रहता है; एबीडीएम संवेदनशील स्वास्थ्य डेटा को केंद्रीकृत रूप में संग्रहीत करने के बजाय सुरक्षित आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। कुछ डेटा (आभा, एचपीआर, एचएफआर) को अंतर संचालनीयता और विश्वास के लिए केंद्रीय रूप से संग्रहीत किया जाता है। मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को अपनी आभा (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता) आईडी से लिंक कर सकता है। वह अपनी सहमति से डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से संग्रहीत, एक्सेस और साझा कर सकता है। हरियाणा में संचालन के लिए एबीडीएम टीम जागरूकता पैदा करने और आभा आईडी बनाने की सुविधा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन राज्य मिशन निदेशक श्रीमती संगीता तेतरवाल के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इस अवसर पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संयुक्त निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) श्री कैलाश सोनी ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आभा कार्ड बनाने के लाभ बताए और इस मिशन के प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से भिन्न होने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने 100 माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा में अब तक 1.63 करोड़ से अधिक आभा कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीएचसी मुलाना को आभा कार्ड धारकों के लिए प्रदेश का पहला आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र बनाया गया है, जो पूरी तरह कार्यात्मक है। यहां मरीज ऑनलाइन पंजीकरण कराकर इलाज करा सकते हैं। सीएचसी मुलाना में मरीजों को पंजीकरण के लिए लाइनों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। जल्द ही यह योजना राज्य के सभी 22 जिलों में प्रति स्वास्थ्य संस्थान 2 स्वास्थ्य केंद्रों यानि कुल 44 स्वास्थ्य संस्थानों में लागू की जाएगी। स्वास्थ्य संस्थानों के डिजिटलीकरण के क्षेत्र में यह एक नई और परिवर्तनकारी पहल साबित होगी। बैठक में तकनीकी टीम के सदस्य - आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के परियोजना प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी) श्री डार्विन अरोड़ा और एचएमआईएस प्रबंधक श्री उमेश सैनी भी मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार का पंचायतों को बड़ा तोहफा, अब स्टाम्प ड्यूटी के राजस्व में मिलेगी हिस्सेदारी

चंडीगढ़ । हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए स्टाम्प ड्यूटी से प्राप्त कुल राजस्व का एक प्रतिशत पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय राज्य की पंचायत व्यवस्था के मद्देनजर ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद को वित्तीय रूप से मजबूत बनाकर उन्ह अपने स्तर पर विकास कार्यों के संचालन में और अधिक स्वायत्तता देगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण भारत के सपनों को साकार करने के लिए ठोस रणनीति पर कार्य कर रही है और यह निर्णय उसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि इस स्टाम्प ड्यूटी में से ग्राम पंचायत को 0.5 प्रतिशत, पंचायत समिति को 0.25 प्रतिशत और जिला परिषद को 0.25 प्रतिशत हस्तांनातरित किया जाएगा। इस योजना के तहत पंचायती राज संस्थानों को 572.42 करोड़ रुपए की राशि को हस्तांनातरित किया जाने का प्रस्ताव है। इनमें प्रदेश की 5.388 ग्राम पंचायतों को 288.16 करोड़ रुपए, 142 पंचायत समितियों को 144.08 करोड़ रुपए तथा 22 जिला परिषदों को 140.18 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। पंचायत मंत्री ने बताया कि इससे पंचायती राज संस्थाओं को विकास कार्यों की योजना बनाने, उन्हें लागू करने और प्राथमिकता के अनुसार संसाधनों का उपयोग करने में और अधिक स्वायत्तता और गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले भी सरकार ने अंतर जिला परिषदों का गठन कर पंचायतों को फंड ट्रांसफर की सुविधा दी थी, जिससे वे विभिन्न विभागों के कार्यों को स्वतंत्र रूप से संचालित कर सकें। उन्होंने कहा कि हाल ही में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रदेश की पंचायतों को 368 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

अमिताभ कांत ने जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दिया; 45 साल के सरकारी सेवाकाल को दिया विराम

नई दिल्ली ।

अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अमिताभ कांत को भारत के जी20 शेरपा के रूप में जुलाई 2022 में नियुक्त किया गया था। नियुक्ति भारत की ओर से जी20 की अध्यक्षता संभालने से कुछ महीने पहले की गई थी। उन्होंने अपनी सरकारी सेवा में 45 वर्षों के दौरान विविध कार्यभार संभाले। अमिताभ कांत लिंक्डइन पर माय न्यू जर्नी शीर्षक से एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 45 साल की समर्पित सरकारी सेवा के बाद मैंने नए अवसरों को अपनाने और जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मैं जी20 शेरपा के रूप में मेरा इस्तीफा स्वीकार करने और मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूं। मैं भारत की वृद्धि, विकास और प्रगति में योगदान करने का अवसर देने के लिए भी भारत के प्रधानमंत्री का आभारी व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता का नेतृत्व करना मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। जटिल वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हमने नेताओं के घोषणापत्र पर सर्वसम्मति हासिल की और प्रमुख विकासात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। भारत की ज20 अध्यक्षता जन-केंद्रित और समावेशी थी, जिसकी बैठकें सभी रायों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित की गईं। इसने सहकारी संघवाद को मजबूत किया, स्थानीय संस्कृति का जश्न मनाया और देशभर में बुनियादी ढांचे को उन्नत किया। हमने जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने में भी

सफलता सुनिश्चित की, जिससे वैश्विक समानता और वैश्विक दक्षिण की आवाज के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पूरी हुई। उन्होंने लिखा, नीति आयोग के सीईओ के रूप में मुझे आकांक्षी जिला कार्यक्रम जैसे पथ-प्रदर्शक कार्यक्रमों का नेतृत्व करने का सौभाग्य मिला, जिसने भारत के 115 सबसे अविकसित जिलों में आम नागरिकों के जीवन को बदल दिया। हमने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की नींव रखने में मदद की और विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत सुधारों को आगे बढ़ाया। विनिर्माण से लेकर पीएलआई योजनाओं तक, अटल इनोवेशन मिशन के माध्यम से नवाचार और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल के माध्यम से स्थिरता तक के प्रयासों ने भारत को नवाचार और जलवायु कार्रवाई में अग्रणी के रूप में स्थापित किया। उन्होंने लिखा, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने सुधार और उदारीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। मैंने व्यापार करने में आसानी, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी प्रमुख पहलों को आगे बढ़ाया। इनसे भारत के व्यापार परिदृश्य में बदलाव आया और देश को विश्व बैंक की रैंकिंग में 79 पायदान ऊपर चढ़ने में मदद मिली। अमिताभ कांत ने लिखा, मेरी यात्रा केरल से शुरू हुई, जहां मैंने जमीनी स्तर पर विकास के महत्व को सीखा। गॉड्स ओन कंट्री अभियान से लेकर मननचैरा मैदान को पुनर्जीवित करके कालीकट शहर का कायाकल्प करना, बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाना, कालीकट हवाई अड्डे का विस्तार करना और मछुआरा समुदाय के साथ मिलकर काम करना, इन अनुभवों ने मेरे करियर को आकार दिया। बाद में पर्यटन मंत्रालय में, हमने अतुल्य भारत अभियान शुरू किया। अंत में उन्होंने लिखा, मेरे मंत्रियों निर्मला सीतारमण और डॉ. एस. जयशंकर और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, मैं आपके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हूं। मेरे सभी सहयोगियों, मार्गदर्शकों और मित्रों आपकी प्रेरणा के लिए धन्यवाद। अब मैं मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन करके विकसित भारत की ओर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से अतुल्य रहा है और हमेशा रहेगा। एक छोटी सी भूमिका निभाकर विनम्र महसूस कर रहा हूं। इस यात्रा का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद।

एक नजर

सोने की कीमतों में अचानक आई बड़ी गिरावट, गिर गए दाम

बिजनेस डेस्क । सोमवार (16 जून) को शुरुआती कारोबार में सोने की कीमतों में तेजी देखी गई थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतें रिकॉर्ड लेवल पर थी। हालांकि अब इसमें कुछ राहत आई है। सोने का भाव अपने हाई लेवल से नीचे आ गया है। सोना 1 एक रुपए के लेवल से फिसल कर 99900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। आज सोने का हाई लेवल 101078 रुपए था और इसने 99850 दिन का निचला लेवल टच किया। शुक्रवार को सोने का बंद भाव 100276 रुपए था। वहीं चांदी की बात करें तो यह 1,06,566 रुपए प्रति किग्रा के आसपास कारोबार कर रही है। कॉमेक्स पर भी सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। साल 2025 की शुरुआत से अब तक सोना लगभग 31त्न का शानदार रिटर्न दे चुका है, जो इसे इस साल की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्तियों में शामिल करता है। वेंचुरा सिक्योरिटीज के एनएस रामास्वामी का अनुमान है कि निकट भविष्य में सोना 1,02,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। वहीं, वैश्विक दिग्गज बैंक–बैंक ऑफ अमेरिका और गोल्डमैन सैक्स–का अनुमान है कि 2026 तक सोना 4,000 प्रति औंस तक जा सकता है।

गर्मी ने बढ़ाया टमाटर का ताव, कीमतों में आया उबाल

बिजनेस डेस्क । दल्ली में भीषण गर्मी अब केवल मौसम तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर सीधा आम लोगों की रसोई पर दिखने लगा है। खासकर टमाटर के दामों में बीते कुछ दिनों में जबरदस्त उछाल आया है। जहां हाल ही में टमाटर 40-50 रुपए प्रति किलो मिल रहा था, अब वहीं 70 से 80 रुपए प्रति किलो में बिक रहा है। आजादपुर मंडी वेजिटेबल ट्रेडर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल मल्होत्रा ने बताया कि तेज गर्मी के चलते उत्तर भारत में टमाटर की फसल को भारी नुकसान हुआ है। जून-जुलाई में लोकल टमाटर की फसल खत्म हो जाती है और इस दौरान आपूर्ति शिमला व बेंगलुरु जैसे इलाकों से होती है, जिससे ट्रांसपोर्ट खर्च और खराब होने की आशंका दोनों बढ़ जाते हैं। फिलहाल बेंगलुरु से आने वाला टमाटर 1000 रुपए प्रति 25 किलो की दर से बिक रहा है, जबकि पहले यही कैरेट 700-800 रुपए में मिल रही थी। गाजीपुर, ओखला और केशवपुर मंडियों से टमाटर खरीदने वाले रिटेल विक्रेताओं का कहना है कि केवल तीन दिनों में ही टमाटर की कीमतों में तेज उछाल आया है। अब इसे 70 से 80 रुपए प्रति किलो बेचना पड़ रहा है। साथ ही प्याज की कीमतों में भी 3 से 5 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। दुकानदारों ने बताया कि गर्मी में हर कैरेट में करीब 5 किलो टमाटर खराब हो रहा है, जिससे लागत वसूलने के लिए दाम बढ़ाना मजबूरी बन गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक बारिश नहीं होती और लोकल फसल फिर से बाजार में नहीं आती, तब तक टमाटर के दामों में गिरावट की उम्मीद कम ही है। ऐसे में उपभोक्ताओं को अगले कुछ हफ्तों तक महंगे टमाटर झेलने पड़ सकते हैं।

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 0.8 फीसदी घटकर 3,44,656 इकाई : सियाम

नई दिल्ली। घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत घटकर 3,44,656 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 3,47,492 इकाई रही थी। 'सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से सोमवार को जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री मई में 2.2 प्रतिशत बढ़कर 16,55,927 इकाई हो गई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी महीने में यह 16,20,084 इकाई थी। वाहन विनिर्माताओं के निकाय सियाम ने कहा कि सभी श्रेणियों में वाहनों की कुल थोक बिक्री 1.8 प्रतिशत बढ़कर 20,12,969 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल मई में यह 19,76,674 इकाई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बयान में कहा, '' सभी वाहन खंडों ने मई 2025 में स्थिर प्रदर्शन दर्ज किया। उन्होंने कहा कि हालांकि यात्री वाहन (पीवी) खंड में 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन कुल 3.45 लाख इकाइयों की बिक्री मई में अब तक की दूसरी सबसे अधिक बिक्री रही। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी इंडिया की घरेलू बिक्री मई 2024 में 1,44,002 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 1,35,962 इकाई रह गई। इसके साथ ही यह इस खंड में अग्रणी रही। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मई 2024 की 43,218 इकाइयों के मुकाबले 52,431 इकाइयों की बिक्री की, जबकि हुंदै मोटर इंडिया ने मई 2024 में 49,151 इकाइयों की तुलना में 43,861 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज की। दोपहिया वाहन खंड में मोटरसाइकिल की बिक्री मई 2024 में 10,38,824 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 10,39,156 इकाइयों पर लगभग स्थिर रही। दूसरी ओर, स्कूटर की बिक्री पिछले महीने 7.1 प्रतिशत बढ़कर 5,79,507 इकाई हो गई, जबकि मई 2024 में यह 5,40,866 इकाई रही थी। घरेलू बाजार में कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री मई में सालाना आधार पर 55,763 इकाइयों की तुलना में 3.3 प्रतिशत घटकर 53,942 इकाई रह गई। मेनन ने कहा, ''भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा छह महीने से भी कम समय में तीन बार रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती तथा सामान्य से अधिक मानसून का पूर्वानुमान कुछ ऐसे संकेतक हैं, जो आने वाले महीनों में वहनीयता में सुधार एवं उपभोक्ता भावना को बढ़ावा देकर मोटर वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

भारत जल्द बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, साइप्रस में बोले पीएम मोदी

निकोसिया ।

पहली बार साइप्रस के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत ने तेज़ी से आर्थिक प्रगति की है। उन्होंने बताया कि टैक्स सुधार, जीएसटी, कॉरपोरेट टैक्स में कटौती और व्यापार करने में आसानी जैसे कदमों ने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना दिया है। बता दें कि पीएम मोदी ने ये बात साइप्रस के लिमासोल शहर में आयोजित बिजनेस राउंडटेबल के दौरान कही, जहां उनके साथ साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स भी मौजूद थे। जहां पीएम मोदी ने स्टार्टअप, डिजिटल क्रांति, एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर में हो रहे बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि भारत निवेश के लिए एक शानदार मौका बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का 50 फीसदी सिर्फ यूपीआई के जरिए होता है और अब साइप्रस के साथ भी इसको जोड़ने की बातचीत चल रही है। पीएम मोदी ने साइप्रस को भारत का भरोसेमंद साझेदार बताया और पर्यटन, डिजिटल सेवाओं, शिपिंग, ऊर्जा और नागरिक उड्डयन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात कही। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत के कई उद्योग साइप्रस को यूरोप में प्रवेश का द्वार मानते हैं। उन्होंने 'इंडिया-ग्रीस-साइप्रस बिजनेस एंड इन्वेस्टमेंट काउंसिल' के गठन का स्वागत किया जो तीन देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने उम्मीद जताई कि साल के अंत तक भारत-E फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमति बन सकती है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार को नई रफ्तार मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिजनेस राउंडटेबल में जो सुझाव मिले हैं, वे भारत और साइप्रस के बीच आर्थिक सहयोग का मजबूत रोडमैप तैयार करेंगे। गौरतलब है कि भारत और साइप्रस के बीच एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (GIFT सिटी, गुजरात) और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच एक समझौता हुआ है। साथ ही, एनपीसीआई इंटरनेशनल और यूरोबैंक साइप्रस ने सीमा पार यूपीआई भुगतान के लिए समझौता किया है।

मई में थोक मुद्रास्फीति घटकर 0.39 फीसदी पर आई

मुंबई । मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में बड़ी गिरावट देखी गई। खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में कमी आने की वजह से थोक महंगाई घटकर 0.39 फीसदी पर आ गई। अप्रैल में WPI आधारित मुद्रास्फीति 0.85 प्रतिशत थी। पिछले साल मई में यह 2.74 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मई 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, बिजली, अन्य

खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में कमी से आई गिरावट

विनिर्माण, रसायन, रासायनिक उत्पादों, अन्य परिवहन उपकरणों और गैर-खाद्य वस्तुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के मुताबिक, मई में खाद्य वस्तुओं में 1.56 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि अप्रैल में 0.86 फीसदी की गिरावट देखी गई थी, जबकि सब्जियों में भारी गिरावट देखी गई। मई में सब्जियों में 21.62 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि अप्रैल में यह 18.26फीसदी थी। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों में 2.04 प्रतिशत की मुद्रास्फीति देखी गई, जबकि अप्रैल में यह 2.62 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में भी मई में 2.27 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि अप्रैल में यह 2.18 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों से पता चलता है कि मई में खुदरा मुद्रास्फीति मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में नरमी के कारण 2.82 फीसदी के साथ छह साल के निचले स्तर पर आ गई। मुद्रास्फीति में कमी के बीच आरबीआई ने इस महीने बेंचमार्क नीतिगत ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की भारी कटौती कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया था।

भारत के एनएसई और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच समझौता, निवेश-व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

निकोसिया । भारत और साइप्रस के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। जिसके तहत भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जिसके तहत दोनों देशों की कंपनियां एक दूसरे के स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो सकेंगी। इससे दोनों देशों के बीच वित्तीय रिसर्च और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि इस समझौते से यूरोपीय कंपनियों के भारत के साथ जुड़ाव में इजाफा होगा और निवेश भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के रिश्तों में नए अध्याय की शुरुआत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जून को साइप्रस दौरे पर रहे। उस दौरान उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बैठक की। इस बैठक में बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, विनिर्माण, रक्षा, रसद, समुद्री, शिपिंग, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बात हुई। साइप्रस की की निवेश फंड मैनेजर कंपनी ब्रह्म लिमिटेड ने बताया कि उन्होंने अपने फ्लैगशिप फंड में से 10 करोड़ डॉलर भारत में निवेश के लिए रखे हैं। इस पैसे को पब्लिक इक्विटीज, उभरती हुई तकनीक और मेक इन इंडिया पहल में निवेश किया जाएगा। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज तेजी से आर्थिक विकास कर रहा है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिक उड्डयन, बंदरगाह, जहाज निर्माण, डिजिटल भुगतान और हरित विकास क्षेत्रों में विकास ने साइप्रस की कंपनियों के लिए भारत के साथ साझेदारी करने के असंख्य अवसर खोले हैं। एनआईपीएल और यूरोबैंक साइप्रस के बीच दोनों देशों में भुगतान के लिए यूपीआई शुरू करने पर भी सहमति बनी है। इससे पर्यटकों और व्यवसायों को आसानी होगी। भारत-ग्रीस-साइप्रस के बीच व्यापार और निवेश परिषद की शुरुआत का भी पीएम मोदी ने स्वागत किया।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में हरियाली; सेंसेक्स में दिखी तेजी, निफ्टी 24700 के पार

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 288.79 अंक चढ़कर 81,407.39 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 पर पहुंच गया। ऐसे ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे गिरकर 86.22 पर आ गया। पिछले दो दिनों में बीएसई बेंचमार्क में 1,396.54 अंक या 1.69फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि निफ्टी में 422.8 अंक या 1.68 फीसदी की गिरावट आई थी एशियाई बाजारों में दो दिनों की तेज गिरावट के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल देखने को मिला। 30 शेयरों वाला बीएसई

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 288.79 अंक चढ़कर 81,407.39 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,263.52 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। 30-सेंसेक्स फर्मों में से पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस सबसे यादा फायदे में दिखाई दी। इसके विपरीत टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक पिछड़ते नजर आए। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग लाल निशान पर देखा गया। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, दिलचस्प बात यह है कि इक्विटी बाजारों में कोई घबराहट नहीं है। बाजारों पर गंभीर असर तभी पड़ेगा, जब ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर देगा, जिससे कच्चे तेल में भारी उछाल आएगा। ऐसा लगता है कि अब इसकी संभावना कम है।

ईरान-इस्राइल युद्ध से वैश्विक व्यापार पर असर, 50 फीसदी बढ़ जाएगी माल ढुलाई लागत

नई दिल्ली। ईरान-इस्राइल युद्ध ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को और बढ़ा दिया है। इससे न सिर्फ भारत के निर्यात समेत वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है, बल्कि हवाई और समुद्री माल ढुलाई दरों के साथ बीमा शुल्क में भी बढ़ोतरी का भी जोखिम है। निर्यातकों का कहना है कि इस युद्ध के कारण यूरोप और रूस जैसे देशों को भारत का निर्यात प्रभावित हो सकता है। अगर युद्ध लंबे समय तक चलता रहा, तो ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य एवं लाल सागर जैसे मार्गों के जरिये व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित होगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, वैश्विक व्यापार की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही थी, जो ईरान-इस्राइल तनाव बढ़ने से फिर से प्रभावित होगी। वहीं, मुंबई स्थित निर्यातक एवं टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष एसके सराफ ने कहा, मालवाहक जहाज धीरे-धीरे

लाल सागर के मार्गों पर लौट आए हैं। इससे भारत और एशिया के अन्य हिस्सों से अमेरिका एवं यूरोप जाने में 15-20 दिन की बचत हो रही है। इस युद्ध के कारण मालवाहन जहाज अब फिर से लाल सागर मार्ग का इस्तेमाल करने से बचेंगे। सराफ ने आगे कहा, ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध अगर एक सप्ताह से अधिक समय तक चलत रहा, तो माल ढुलाई की लागत करीब 50 फीसदी तक बढ़ जाएगी, जिसका बोझ व्यापारियों को उठाना पड़ेगा। भारत के व्यापार पर असर पड़ेगा, क्योंकि दोनों देश हमारे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। इसके अलावा, वैश्विक व्यापार के लिए भी स्थिति काफी कठिन हो जाएगी। फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि संघर्ष स्थानीय स्तर तक ही सीमित रहेगा या अन्य देश भी इसमें शामिल होंगे। इसका असर सबसे पहले कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ेगा। वहीं, विश्लेषकों का कहना है कि अगर ईरान-इस्राइल तनाव बढ़ता है, तो सबसे खराब स्थिति में कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जो वर्तमान स्तर से 103 फीसदी अधिक है। सहाय ने कहा, लाल सागर के अलावा इस बार होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला मार्ग भी एक ऐसा कारक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक पेट्रोलियम पदार्थों की खपत का 21 प्रतिशत इसी मार्ग से गुजरता है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया इस मार्ग से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए शीर्ष गंतव्य थे। ओमान भी भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करता है। यूरोप के साथ भारत का करीब 80 फीसदी वस्तु व्यापार लाल सागर के जरिये होता है। अमेरिका के साथ भी काफी व्यापार इसी मार्ग से होता है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य इन दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के जरिये भारत कुल 34 फीसदी निर्यात करता है। लाल सागर मार्ग से दुनिया के 30 फीसदी कंटेनर गुजरते हैं, जबकि 12 फीसदी वैश्विक व्यापार इसी रास्ते हो होता है। भारत ने इस्राइल को 2024-25 में कुल 2.1 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जो 2023-24 के 4.5 अरब डॉलर से आधा है। ईरान को होने वाला निर्यात 2024-25 में 1.4 अरब डॉलर रहा। अगर युद्ध लंबे समय तक जारी रहता है, तो भारत से दोनों देशों को होने वाला निर्यात प्रभावित होगा।?इसका असर कुल व्यापार पर पड़ेगा। हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए सरकार की ओर से आने वाले दिनों में निर्यातकों के साथ बैठक करने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि यह युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उच टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक व्यापार पर पड़ने वाले दबाव को और बढ़ा देता है। टैरिफ के असर को देखते हुए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) पहले ही आशंका जता चुका है कि 2025 में वैश्विक व्यापार में 0.2 फीसदी की गिरावट आएगी। इससे पहले 2.7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया था।

भारत ने कर दिखाया कमाल, इस लिस्ट में अमेरिका के बाद दूसरे नं. पर आया नाम

बिजनेस डेस्क। भारत ने एक और क्षेत्र में वैश्विक मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इस बार बात है कारों की ढुलाई की- जहां अब देश ने रेलवे के ज़रिए कार ट्रांसपोर्ट में इतनी तेज़ तरक्की की है कि वह अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। कुछ साल पहले तक जहां ट्रकों का बोलबाला था, अब वहीं भारतीय रेलवे कार कंपनियों की पहली पसंद बनकर उभरी है। सुविधाजनक, सस्ता और पर्यावरण के लिहाज़ से बेहतर विकल्प होने के कारण रेल से कार भेजने का चलन तेजी से बढ़ा है। 2013-14 में जहां सिर्फ 1.5फीसदी कारें रेलवे से जाती थीं, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा 24फीसदी से ऊपर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में देश में बनी 50.6 लाख कारों में से करीब 12.5 लाख कारें रेलवे से भेजी गईं। एक बड़े रेलवे अधिकारी ने कहा, सिर्फ पिछले चार सालों में, ट्रेनों से जाने वाली कारों की संख्या 14.7फीसदी से बढ़कर लगभग 24.5फीसदी हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि कार कंपनियों को रेलवे का विकल्प यादा सस्ता, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल लग रहा है। कार ढुलाई में भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे उपयोगकर्ता बन गया है। पहले नंबर पर अमेरिका है, जहां करीब 75 लाख कारें रेल से जाती हैं। भारत ने इस मामले में चीन और जर्मनी जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। 600 किमी से यादा की दूरी तय करने वाली कारों के मामले में ट्रकों की हिस्सेदारी घटकर आधी रह गई है। इससे जहां सड़क परिवहन कंपनियों को नुकसान हुआ है, वहीं रेलवे ने इस अवसर को भुनाया है। अब 170 रैकों के ज़रिए देशभर में कारें भेजी जा रही हैं, जो 2013 में सिर्फ 10 थे। रेलवे ने दो साल पहले अपने वैगनों को इस तरह डिजाइन किया कि SUV जैसी बड़ी गाड़ियां भी आसानी से लदी जा सकें। पहले एक रैक में सिर्फ 135 SUV जा पाती थीं, अब यह संख्या बढ़कर 270 हो गई है।

जॉनसन का कमिंस-स्टार्क और हेजलवुड-लियोन पर निशाना, डब्ल्यूटीसी फाइनल में हार के लिए जिम्मेदार ठहराया

सिडनी । विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद देश के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन ने अपने देश के शीर्ष चार गेंदबाजों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन पर ही हार का ठीकरा फोड़ा है। खासतौर पर हेजलवुड पर निशाना साधते हुए जॉनसन ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल की बजाय आईपीएल को प्राथमिकता देने के लिए लोग उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाएंगे। यह पहली बार नहीं है जब जॉनसन किसी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पर सवाल उठाए हैं। इससे पहले वह डेविड वॉर्नर पर भी निशाना साध चुके हैं।

हेजलवुड को लेकर जॉनसन का बयान

हेजलवुड उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल के स्थगित होने के बाद दोबारा शुरू होने पर भारत लौटने का फैसला किया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार इस खिताब को जीता। हेजलवुड ने आईपीएल सत्र में 22 विकेट लिए। उन्होंने फाइनल में पंजाब के आक्रामक सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य को चलता किया। आरसीबी की जीत के बाद उन्होंने उन लोगों पर निशाना साधा था, जिन्होंने उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल की जगह आईपीएल को तरजीह देने को लेकर सवाल उठाए थे। हेजलवुड ने कहा था कि कोई मैच खेलने से बेहतर तैयारी कुछ भी नहीं है। हालांकि, जॉनसन उन खिलाड़ियों में जरूर शामिल थे, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से वापस आईपीएल में नहीं जाने की अपील की थी।

हेजलवुड की फिटनेस की समस्या....

अब जॉनसन ने हेजलवुड को इन्हीं सब बातों के लिए घेरा है। हेजलवुड लॉर्ड्स में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी के अहम खिलाड़ी थे। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में सिर्फ दो विकेट चटका पाए। दक्षिण अफ्रीका शनिवार को पांच विकेट की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। जॉनसन ने 'वेस्ट

ऑस्ट्रेलियन' में लिखा, हमने हाल के वर्षों में हेजलवुड की फिटनेस को लेकर समस्या देखी है। राष्ट्रीय टीम की तैयारियों के बजाय विलंबित इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी को प्राथमिकता देने के उनके फैसले ने लोगों को चौंका दिया है।

अपनी विदाई के लिए एशेज का इंतजार कर रहे तो...

स्टार्क, हेजलवुड, कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनका लक्ष्य एशेज के बाद तक अपनी विदाई को जारी रखना है, तो यह गलत मानसिकता है। जॉनसन ने कहा, स्टार्क, हेजलवुड, पैट कमिंस और नाथन लियोन के हमारे सफल बिग फोर गेंदबाजी आक्रमण को भी आगे के लिए तय नहीं माना जा सकता। अगर अनुभवी खिलाड़ी सिर्फ विदाई के लिए एशेज तक के लिए बने रहते हैं, तो इससे सवाल उठता है कि क्या यह सही मानसिकता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम भविष्य को ध्यान में रखें और अपने अगले टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने की ओर कदम बढ़ाएं। जॉनसन ने खुद भी आईपीएल के छह सत्र का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब (पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 550 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।

युवा खिलाड़ियों को मौका देने का समय है...

उन्होंने तर्क दिया कि युवा सैम कोंस्टास, जोश इंग्लिस और यहां तक कि 36 वर्षीय तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड जैसे खिलाड़ी, जो देश के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब थे, उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही थी। जॉनसन ने कहा, सैम कोंस्टास, जोश इंग्लिस और स्कॉट बोलैंड जैसे खिलाड़ियों की मानसिकता अलग है। भले ही बोलैंड 36 साल के हों, लेकिन वह हर बार मौका मिलने पर खुद को साबित करने के लिए उत्सुक रहते हैं।

सभी उम्रदराज खिलाड़ियों की आलोचना नहीं कर रहा हूं...

जॉनसन ने कहा, मैं एक टीम के सभी उम्रदराज खिलाड़ियों की आलोचना नहीं कर रहा हूं, जिसने एक साथ बहुत कुछ हासिल किया है। हमारे स्थापित खिलाड़ियों में बिग-फोर के अलावा उस्मान ख्वाजा, (स्टीव) स्मिथ और (मार्नस) लाबुशेन शामिल हैं, जिन्होंने कुछ बेहतरीन ट्रॉफियां जीती हैं। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज योग्य खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देने का सही समय है।

यह कठिन फैसले लेने का समय है...

जॉनसन ने कहा, यह विचार करना आवश्यक है कि अब कठिन फैसले लेने का सही समय आ गया है। आगामी तीन टेस्ट मैचों का विंडीज दौरा योग्य खिलाड़ियों को चमकने का मौका देने के लिए एक सबसे सही अवसर है।

नंबर तीन पर एक विशेषज्ञ खिलाड़ी को ढूंढना बहुत महत्वपूर्ण है और पिछले 18 महीनों में लाबुशेन ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए उन्हें फिर से उसी स्थान पर भेजना उचित नहीं है।

एक बार में सभी शीर्ष तीन बल्लेबाजी स्थानों में बदलाव करने की कोशिश करना वास्तव में जोखिम भरा होगा और मुझे नहीं लगता कि चयनकर्ता इस रास्ते पर चलेंगे। वेस्टइंडीज की पिचों के लिए कोंस्टास एक ठोस विकल्प के रूप में उभर रहे हैं, खासकर ख्वाजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ वह अच्छा कर सकते हैं।

एक नजर

50 ब्रिटिश नागरिकों की मौत के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की लॉन्चिंग टली

लंदन। भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के विजेता को दी जाने वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की लॉन्चिंग टल गई है. ट्रॉफी की लॉन्चिंग में यह देरी अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के कारण हुई है. इस हादसे में 275 लोगों की मौत हो गई थी. इनमें 50 से अधिक ब्रिटिश नागरिक थे. एयर इंडिया का यह विमान लंदन जा रहा था और उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाली टेस्ट सीरीज के विजेता को पहले पटौदी ट्रॉफी दी जाती थी. पूर्व भारतीय कप्तान मंसूर अली खान पटौदी के सम्मान में इसे पटौदी ट्रॉफी नाम दिया गया था. अब इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी (एटीटी) कर दिया गया है. इस ट्रॉफी का नाम बदलने का फैसला मेजबान इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने किया. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'एटीटी ट्रॉफी (जिसे पहले 14 जून को लांच किया जाना था) के अनावरण में अहमदाबाद में हाल में हुई दुर्घटना के कारण देरी हुई है. इसे रद्द नहीं किया गया है. उम्मीद है कि सीरीज शुरू होने से पहले ट्रॉफी का अनावरण कर दिया जाएगा.' इन दोनों देशों के दो महान खिलाड़ियों इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के सम्मान में इस ट्रॉफी का नाम बदला गया. लीड्स में 20 जून से शुरू होने वाली इस सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे. यह भी पता चला है कि बीसीसीआई ने ईसीबी से अनुरोध किया है कि पटौदी के नाम पर एक व्यक्तिगत सम्मान स्थापित करके सीरीज से उनका संबंध बरकरार रखा जाए. सूत्रों के अनुसार, तेंदुलकर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट में पटौदी के योगदान को ध्यान में रखते हुए उनकी विरासत को बरकरार रखना चाहिए.

इस दिन और इस जगह होगी भारत-पाकिस्तान की टक्कर, वनडे वर्ल्ड कप का मुकाबला

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में 30 सितंबर से महिला वनडे विश्व कप की शुरुआत होने वाली है. ओपनिंग मैच भारत और श्रीलंका के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा. टूर्नामेंट हाईब्रिड मॉडल में खेला जाएगा,

ऐसे में भारत और पाकिस्तान का हाई प्रोफाइल मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 5 अक्टूबर को होगा. बीसीसीआई और पीसीबी के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो में खेलेगा. भारत ने पाकिस्तान की मेजबानी में इस साल हुई चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच दुबई में खेले थे, जिसके बाद पीसीबी ने भी अपनी शर्त मनवा ली कि पाकिस्तान भी भविष्य में आईसीसी टूर्नामेंट के अपने मैच के लिए भारत की यात्रा नहीं करेगा. टूर्नामेंट में 28 लीग गेम होंगे, जिसके बाद फाइनल और सेमीफाइनल समेत तीन नॉकआउट होंगे, ये मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापत्तनम और कोलंबो में होंगे. पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में होगा, अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचता है तो इसे कोलंबो में खेला जाएगा. दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा. 2 नवंबर को होने वाला फाइनल बेंगलुरु या कोलंबो में होगा मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने वाला है, उसके बाद 8 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ेगा. पिछले एडिशन के फाइनल का रीकैप मुकाबला यानी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टक्कर 22 अक्टूबर को इंदौर में होगी. मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका ने सीधे टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया. इस साल की शुरुआत में लाहौर में हुए क्वालीफायर में पाकिस्तान और बांग्लादेश ने आखिरी दो स्थान हासिल किए थे. इस टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज की टीम शामिल नहीं होगी, जो क्वालीफायर में नेट रन-रेट के आधार पर बांग्लादेश से हार गई थी.

राज्यस्तरीय अंडर-23 क्रिकेट में खेलने का मौका, भरतपुर में इस दिन चयन के लिए होगा ट्रायल

भरतपुर।

राजस्थान क्रिकेट संघ के निर्देशन में आगामी 1 जुलाई से जयपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए भरतपुर जिले की टीम का चयन किया जाएगा. इसके तहत चयन ट्रायल रविवार, 22 जून को सुबह 7 बजे से सेवर स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल कैंपस, मथुरा बाईपास रोड पर आयोजित होगा. जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव श्री शत्रुधन तिवारी ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का बायोमेट्रिक दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा. यदि कोई खिलाड़ी फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. केवल वे खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 सितंबर 2002 के बाद हुआ हो. इच्छुक खिलाड़ियों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेज मूल रूप में लाना अनिवार्य है जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव श्री शत्रुधन तिवारी ने बताया कि आवश्यक दस्तावेजों में डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, दसवीं कक्षा की अंकतालिका, माता-पिता के आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड शामिल हैं. इसके अलावा खिलाड़ियों की आधार हिस्ट्री का भी सत्यापन किया जाएगा, ताकि दस्तावेजों की प्रामाणिकता सुनिश्चित हो सके. किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या जालसाजी पाए जाने पर खिलाड़ी को ट्रायल से बाहर कर दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सफेद रंग की क्रिकेट किट पहनना अनिवार्य है और अपना निजी क्रिकेट सामान भी साथ लाना होगा. चयन प्रक्रिया के बाद भरतपुर जिले की 16 सदस्यीय टीम का गठन किया जाएगा, जो जयपुर में होने वाले राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी. जिला क्रिकेट संघ ने सभी योग्य और उत्साही खिलाड़ियों से अपील की है कि वे समय पर ट्रायल स्थल पर पहुंचकर खेल भावना से प्रदर्शन करें और चयनकर्ताओं को प्रभावित करें. ट्रायल के दौरान चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलेगा.

एक ही दिल है कितनी बार जीतोगे, सचिन ने उठाई पटौदी की विरासत को बरकरार रखने की मांग; फैंस खुश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी की विरासत को खत्म नहीं किया जा सकता है। इसलिए उन्होंने पटौदी की विरासत को बरकरार रखने की मांग की है। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। पहला मुकाबला हेडिंग्ले में खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज का नाम तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी रखा जाएगा।इससे पहले दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली यह सीरीज पदौटी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी के लिए खेला जाता था। इसका नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था। मार्च में ईसीबी ने पटौदी परिवार को लिखा था कि वे ट्रॉफी को रिटायर करना चाहते हैं। हालांकि, अब पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मांग की है पटौदी की विरासत को खत्म नहीं करना चाहिए। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, सचिन तेंदुलकर के अनुरोध के बाद इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) का मन बदल गया है। सचिन का मानना है कि पटौदी की विरासत को इस तरह खत्म नहीं किया जा सकता। इसे बरकरार रखने के लिए उन्होंने बीसीसीआई और ईसीबी के अधिकारियों से बात की है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि, ईसीबी अधिकारी ने इस निर्णय की पुष्टि की है कि पटौदी की विरासत बरकरार रहेगी। अधिकारी ने कहा- हां, इंग्लैंड-भारत सीरीज में पटौदी लिंक को बनाए रखने की एक पुष्ट योजना है। माना जा रहा है कि दिवंगत एमएके पटौदी के नाम पर एक पदक का नाम रखा जा सकता है, जो सीरीज जीतने वाली टीम के कप्तान को दिया जाएगा। वहीं, सचिन तेंदुलकर के इस फैसले से प्रशंसक भी काफी खुश हैं। सोशल मीडिया पर वह इसकी जमकर सराहना कर रहे हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी का लॉन्च 14 जून यानी शनिवार को होना था। हालांकि, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) व भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आपसी सहमति के साथ इस कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला लिया। ट्रॉफी का अनावरण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 के फाइनल के बाद होना था।

दो बच्चों की मां मारिया क्रींस क्लब टेनिस चैंपियन; डुप्लांटिस ने अपना विश्व रिकॉर्ड फिर तोड़ा

लंदन ।

दो बच्चों की मां और बतौर क्वालिफायर टूर्नामेंट में खेलने वाली जर्मनी की 37 वर्षीय तात्याना मारिया ने प्रेरणा दायक प्रदर्शन करते हुए क्रींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल में अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को 6-3, 6-4 से पराजित किया। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता अमेरिका की मेडिसन कीज को 6-3, 7-6 से हराया था। मारिया बीते पांच वर्ष में किसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2020 में सेरेना विलियम्स ने 38 वर्ष की उम्र में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता था। विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकीं विश्व नंबर 86 मारिया का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विंबलडन विजेता चौथी वरीय एलीना रिबाकीना, तीसरे दौर में छठी वरीय कैरोलिन मुचोवा को पराजित किया। मारिया ने कहा कि वह इस खेल से प्यार करती हैं। वह इन क्षणों के लिए ही जी रही हैं। एनिसिमोवा ने कहा कि उनका परिवार बहुत प्यारा है। वह उनके बच्चों को हर जगह आते देखती हैं। स्टॉकहोम। दो बार के ओलंपिक विजेता स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने 12वीं बार पोलवॉल्ट में अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने रविवार को अपने घरेलू दर्शकों के बीच स्टॉकहोम डायमंड लीग में 6.28 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए नया विश्व कीर्तिमान बनाया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने इस वर्ष फरवरी में ऑल स्टार पर्शे मीट में बनाए गए अपने ही विश्व रिकॉर्ड 6.27 मीटर को पीछे छोड़ा। उन्होंने 1912 के ओलंपिक स्टेडियम में पहली बार अपने देश में विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा।

कुलदीप ने मंगेतर वंशिका के साथ साझा की रोमांटिक तस्वीर, कुछ देर बाद डिलीट किया पोस्ट

लंदन । एक अजीबोगरीब घटनाक्रम में भारत के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने मंगेतर वंशिका के साथ पहले तस्वीर साझा की और फिर कुछ देर बाद उन्होंने उसे डिलीट भी कर लिया। यह घटना रविवार की है। रविवाद देर रात कुलदीप ने वंशिका के साथ नदी किनारे चलने की तस्वीर साझा की।

उन्होंने दो तस्वीरें साझा की थीं। इसमें वंशिका सफेद ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं, कुलदीप ब्लैक सूट में नजर आ रहे हैं, जिसमें वह क्लासी दिख रहे हैं। इसके कैप्शन में भारतीय स्पिनर ने लिखा- यू एंड मी फॉरएवर (आप और में हमेशा)। हालांकि, कुछ ही देर बाद उन्होंने इंस्टाग्राम से इस पोस्ट को डिलीट कर दिया। हालांकि, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया यूजर्स की नजरों से नहीं बच सकीं। फैंस ने सोशल मीडिया पर कुलदीप के ऐसा करने पर उन्हें ट्रोल भी किया है। हालांकि, कुलदीप ने इस पोस्ट के कुछ देर बाद रवींद्र जडेजा

के साथ लंदन की गलियों में ब्रोमांस की तस्वीरें जरूर साझा की हैं। दोनों फिलहाल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लंदन में हैं। 20 जून से लीड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। उन्होंने फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ भी तस्वीर साझा की और कैप्शन में लिखा- लंदन का हर किनारा कोई न कोई कहानी कहता है। कुलदीप और वंशिका की चार जून को लखनऊ स्थित होटल में सगाई हुई। वंशिका कानपुर की रहने वाली हैं। वंशिका का पूरा नाम वंशिका चड्ढा है और वह कुलदीप की बचपन की दोस्त हैं। लखनऊ के एक होटल में हुआ यह सगाई समारोह का आयोजन बेहद निजी रहा। समारोह में सिर्फ करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों को ही बुलाया गया था। समारोह बेहद निजी और पारंपरिक अंदाज में हुआ। सगाई समारोह में शामिल होने के लिए भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और उनकी मंगेतर प्रिया सरोज भी पहुंचे। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले स्टार स्पिनर कुलदीप ने इस संस्करण मे 15 विकेट हासिल किए थे। लबंगला निवासी वंशिका के पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। वहीं, वंशिका इस समय ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं। करीबी मित्र ने बताया कि सेंट मैरी से 2017 में वंशिका ने 12वीं पास की थी। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई और जॉब के लिए ऑस्ट्रेलिया चली गई थीं। कुलदीप यादव और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और अब दोनों ने सगाई की है। पहले जून में ही सगाई के बाद दोनों की शादी होनी थी, लेकिन कुलदीप के इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने के कारण अब शादी बाद में होगी। शादी की तारीख अभी तय नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों इसी साल के आखिरी तक शादी कर लेंगे।

खेल और सचिन के सहारे दंतेवाड़ा से दूर होगा नक्सलवाद, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बनेंगे 50 खेल मैदान

नई दिल्ली। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर ऐसी अनोखी पहले शुरू की है, जिससे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा पर लगा नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र का ठप्पा जल्द बीते दिनों की बात होगी। स्थानीय प्रशासन ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर मैदान कप की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत के मुताबिक इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक 50 मैदान के लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। बीते वर्ष राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। दुदावत ने बताया कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, इसी तर्ज पर हमने सचिन फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से युवाओं को खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया। दुदावत ने बताया कि पहले चरण में 50 गांवों में मैदान विकसित किए जाएंगे। दुदावत के मुताबिक 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था, लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए। दुदावत ने कहा, लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगले सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं।

टेस्ट सीरीज से पहले कुलदीप का पिच को लेकर बड़ा दावा, कप्तान गिल पर भी की बात

नई दिल्ली । भारतीय टीम के मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि इंग्लैंड का विकेट यानी पिच स्पिनरों के लिए मददगार है। उन्होंने इंट्रा स्क्वॉड अभ्यास मैच के दौरान कहा, विकेट (पिच) स्पिनरों के लिए अच्छा है। यह बल्लेबाजी के लिए भी अच्छा है। पहले दिन नमी थी, तेज गेंदबाजों को मदद मिली लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, स्पिनरों ने मैच में अपना दबदबा बनाया। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। पहला मुकाबला हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव को खुद से इंग्लैंड दौरे पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वह रवींद्र जडेजा के साथ काफी समय बिता रहे हैं और अभ्यास कर रहे हैं। अश्विन के संन्यास के बाद जडेजा पर अधिक जिम्मेदारी होगी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है जबकि कुलदीप ने इस देश में एक टेस्ट में सिर्फ नौ ओवर गेंदबाजी की है। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में 2007 के बाद कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करने के लिए टीम को कुलदीप के योगदान की जरूरत होगी। वह लीड्स में खेले जाने वाले शुरुआती मैच में शायद प्लेइंग 11 का हिस्सा ना हो लेकिन बर्मिंघम, लॉर्ड्स और ओवल के मैदानों पर कारगर साबित हो सकते हैं। कुलदीप ने कहा कि उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दौरान पिच से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, %इस पिच पर स्पिनरों के लिए उछाल है। आज तीसरा दिन है, मुझे अभी गेंदबाजी करनी है। गेंद थोड़ी टर्न ले रही है और मुझे उम्मीद है कि श्रृंखला के दौरान भी ऐसा ही होगा। इस दौरान कुलदीप ने टेस्ट टीम के नए कप्तान शुभमन गिल को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा- %शुभमन को पता है कि नेतृत्व कैसे करना है। उन्होंने कई कप्तानों खासकर रोहित भाई के साथ काम किया है और उनसे सीखा है। मैंने अब तक जो देखा है वह बहुत प्रेरित करने वाल है। वह टीम की भावना को ऊपर उठाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वह इस काम के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरुआत भी हो जाएगी। टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

प्रभास की फिल्म के टीजर से पहले ये मूवीज भी हो चुकीं लीक, रिलीज से पहले मेकर्स को लगा झटका

सोमवार को साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म राजा साब का टीजर रिलीज हुआ है। हालांकि, आपको बताते चलें कि फिल्म का टीजर रिलीज होने से पहले ही लीक हो गया था और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके पहले भी कई फिल्मों के टीजर, ट्रेलर और फिल्म तक लीक होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। आइए जानते हैं अभी तक कौन-कौन सी फिल्में लीक हो चुकी हैं।

टॉयलेट - एक प्रेम कथा- श्रीनारायण सिंह के निर्देशन में साल 2017 में एक फिल्म रिलीज हुई थी टॉयलेट- एक प्रेम कथा। अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर अभिनीत यह फिल्म रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर लीक हो गई था, जिससे फिल्म निर्माताओं को नुकसान झेलना पड़ा था, क्योंकि बहुत से लोगों ने इसे ऑनलाइन ही देख लिया था।

रेस 3- रेमो डिसूजा के निर्देशन में साल 2018 में एक फिल्म बनी रेस 3, जिसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। यह एक महंगे बजट वाली फिल्म थी, जो रिलीज से पहले ही लीक हो गई थी। हालांकि, रिलीज के बाद भी इस फिल्म को अच्छा

रिस्पांस नहीं मिला और यह सुपर फ्लॉप रही। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा अनिल कपूर, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडीज, डेजी शाह जैसे कलाकार मौजूद थे।

सुल्तान- साल 2016 में सलमान खान और अनुष्का शर्मा अभिनीत सुल्तान रिलीज हुई थी। इस फिल्म को भी पाइरेस का सामना करना पड़ा था। कहा गया था यह फिल्म भी रिलीज के कुछ घंटे पहले लीक हो गई थी।

हालांकि, फिल्ममेकर्स ने इन बातों से इनकार किया था।

उड़ता पंजाब - शाहिद कपूर की फिल्म उड़ता पंजाब बहुत विवादों में रही थी। इस फिल्म में कई सीन कट करने के बाद इसे रिलीज किया गया था। हालांकि, यह फिल्म भी रिलीज के पहले ही लीक हो गई थी। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक चौबे द्वारा किया गया था।

मांझी द माउंटेन मैन- लीक फिल्मों में नवाजुद्दीन सिद्दिकी की फिल्म मांझी द माउंटेन मैन का भी नाम शामिल है। यह फिल्म भी रिलीज से पहले ही लीक हो गई थी। केतन मेहता द्वारा निर्देशित ये फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी।

पा- आर बाल्की द्वारा निर्देशित फिल्म पा को दर्शकों द्वारा खूब प्यार मिला था। साल 2009 में रिलीज हुई इस फिल्म में अभिषेक बच्चन और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म भी रिलीज वाले दिन ही लीक हो गई थी।

भानुशाली स्टूडियोज का बड़ा धमाका, इस हॉलीवुड स्टूडियो के साथ साइन की पांच फिल्मों की डील

हाल ही में हॉलीवुड इंडस्ट्री के एक मशहूर फिल्म स्टूडियो ने भानुशाली स्टूडियोज के साथ साझेदारी की है। अब इसके जरिए हॉलीवुड की कुछ फिल्मों को बॉलीवुड का टच दिया जाएगा। यह समझौता हिंदी फिल्मों को और प्रभावशाली बनाने में अहम योगदान देगा। आइए जानते हैं पूरी खबर। हॉलीवुड इंडस्ट्री के चर्चित स्टूडियो वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स, जिसने हैरी पॉटर जैसी फिल्मों का निर्माण किया है। अब इसने भानुशाली स्टूडियोज से मिलकर एक डील की है। इसके जरिए हॉलीवुड की फिल्मों को भारतीय टच दिया जाएगा। इसके लिए भानुशाली स्टूडियो लिमिटेड और जेओएटी फिल्म्स ने मिलकर वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स के साथ पांच फिल्मों को साइन किया है, जिसे हिंदी दर्शकों के तर्ज पर बनाया जाएगा। वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स के भारत में उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डेन्जिल डायस ने कहा कि सिनेमाई दुनिया में भारत एक प्रभावाशाली मार्केट है। उन्होंने बताया कि अब इस डील के जरिए ऐसी फिल्में बनाई जा सकेंगी, जो भारतीय दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ सके। भानुशाली स्टूडियोज के संस्थापक विनोद भानुशाली ने कहा, 'हम वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं, एक ऐसा स्टूडियो जिसने कई पीढ़ियों के सिनेमाई इतिहास को आकार दिया है। यह सहयोग वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स की कहानियों को भारतीय रचनात्मक नजरिए से फिर दर्शकों के सामने पेश करेगा, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दर्शकों के लिए भावनाओं और संस्कृति का मिश्रण किया गया है।' दोनों स्टूडियो के बीच पांच फिल्मों को लेकर साइन किया गया है। साथ ही आपको बताते चलें कि पहले शीर्षक पर काम चल रहा है। इसे लेकर जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

यात्रा के दौरान अनुपम खेर के साथ हुआ कुछ ऐसा कि ऊपर वाले से मांगी दुआ, कहा- मैं औकात में रहूं

अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म है तन्वी द ग्रेट। बीते दिनों प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में फिल्म का प्रीमियर हुआ। इसके बाद अब न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) में यह फिल्म प्रदर्शित होगी। अनुपम खेर जब इस फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुए तो उन्हें यात्रा में अलग अनुभव मिले, जो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। अनुपम खेर ने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उनकी फ्लाइट दो घंटे लेट थी। इसके बाद वे लगातार अजीबोगरीब अनुभवों से गुजरे। एक्टर का कहना है कि कभी-कभी ईश्वर संतुलन बनाता और इस तरीके से वे इंसान को औकात दिखाता है। एक्टर ने बताया, भगवान लाइफ को बीच-बीच में बैलेंस करने लगता है। जैसे ही हम उड़ने लगते हैं तो कहता

है आ आज बेटा जमीन पर आ जा। मैं बहुत शान-शौकत के साथ एलान करके निकला कि मैं न्यूयॉर्क जा रहा हूं। तन्वी द ग्रेट का प्रीमियर है। मैं न्यूयॉर्क जा रहा हूं। अभिनेता ने आगे बताया, एयरपोर्ट पहुंचा तो दो घंटा फ्लाइट लेट थी। साढ़े चार बजे की फ्लाइट थी। साढ़े छह बजे निकली। यहां दुबई में हमारा कनेक्शन था। हमारी फ्लाइट लेट थी तो वो मिस हो गई। चार पांच घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा। अब जो फ्लाइट मिली है, सुबह की मिली है। रात को पूरी रात सोए नहीं हैं। इस दौरान मैंने यहां सभी के साथ फोटोज क्लिक करा लीं। एक्टर ने कहा, टैक्सी के लिए एक घंटा इंतजार करना पड़ा। भूख लगी थी। एक शॉप में गया सोचा प्रोटीन बार उठा लेता हूं। वहां सबकुछ था प्रोटीन बार ही नहीं थी। फिर वहां से जिस होटल पहुंचा, वहां पता लगा यहां साढ़े बारह के बाद ही लंच मिलता है। बाद में पैसे देने की बात आई तो पता लगा मेरा बैग तो दद्दू (मेरे असिस्टेंट) के पास है। मेरे कार्ड उसमें हैं। मैं बता नहीं सकता कि आज जो मेरे साथ हुआ। मैंने कहा, ऊपर वाले ऐसा करते रहना, जिससे मैं औकात में रहूं। एक्टर ने आगे बताया, आज मेरा खाना था किसी के यहां। उन्होंने कश्मीरी खाना रखा था। वहां नहीं पहुंच पाए। रात को भी मिड नाइट की फ्लाइट है। कहने का मतलब है कि भगवान अपने करीबियों को बताता रहता है कि बेटा जमीन पर रहो। मैंने सोचा आपके साथ शेयर करता हूं। एक्टर ने यह भी कहा कि उन्हें फिलहाल बहुत तेज नींद आ रही है। उन्होंने जानकारी दी कि 19 तारीख को तन्वी द ग्रेट का प्रीमियर है। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शीतल से पहले इन मॉडल की हुई बेरहमी से हत्या, एक का शव तो तीन दिन बाद होटल में मिला

चकाचौंध की दुनिया...ग्लैमर, पैसा और शोहरत...! एक मॉडल की जिंदगी को देख लोग यही कयास लगाते हैं। ग्लैमर वर्ल्ड का यह सच भी है। मगर, इसके अलावा एक काला पक्ष भी है। इस काले पक्ष की पर्तें कई बार किसी मॉडल की हत्या के बात खुलती हैं। चकाचौंध वाली इस दुनिया में जान कितनी सस्ती है। हाल ही में सोनीपत के गांव खांडा के पास एनसीआर वाटर चैनल में मशहूर मॉडल शीतल का शव मिला है। युवती की बेरहमी से गला रेतकर हत्या की गई है। ऐसी वारदात का यह पहला मामला नहीं है। पहले भी कई मॉडल की इसी बेरहमी से हत्या की गई हैं।

दिव्या पाहुजा

बीते वर्ष जनवरी में दिव्या पाहुजा हत्याकांड ने सनसनी मचाई। जनवरी 2024 में साइबर सिटी गुरुग्राम में एक होटल में मॉडल दिव्या पाहुजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस की जांच में पता चला था कि दिव्या अभिजीत पर लगातार 30 लाख रुपये देने का दबाव बना रही थी। कथित तौर पर इससे परेशान होकर दिव्या की बेरहमी से हत्या कर दी गई। 27 साल की मॉडल दिव्या पाहुजा गैंगस्टर संदीप गाडोली की हत्या के आरोप में जेल भी काट चुकी थी। जेल से रिहाई के

कुछ ही महीनों बाद दिव्या का कत्ल हो गया। गुरुग्राम के बलदेव नगर में एक सब्जी विक्रेता की बेटी थी।

मॉडल इशप्रीत कौर

मॉडल और अभिनेत्री इशप्रीत कौर मक्कड़ की जान भी कुछ इसी तरह गई। जुलाई 2024 में इशप्रीत बीकानेर के खतूरिया कॉलोनी स्थित घर से अपनी दोस्त पूनम के घर जाने के लिए निकली थीं। उन्होंने माता-पिता को बताया कि वे अपनी दोस्त के घर ही रुकेंगी। अगले दिन भी इशप्रीत घर नहीं लौटीं। परिवार वालों ने फोन किया तो इशप्रीत का नंबर बंद आ रहा था। 26 जुलाई की दोपहर इशप्रीत के पेरेंट्स के पास पुलिस का कॉल आया और बताया गया कि उनकी बेटी बीकाजी सर्किल के पास स्थित एक कमरे में मृत मिली हैं। इशप्रीत जहां मृत मिलीं, वह उनके बॉयफ्रेंड जयराज तंवर का कमरा था। दोनों करीब आठ साल से रिलेशनशिप में थे। जयराज तंवर भी बेहोशी की हालत में उसी कमरे में पड़ा था। इशप्रीत की हत्या हुई या उन्होंने आत्महत्या की यह जांच में पता चलेगा। इशप्रीत के पिता ने जयराज के खिलाफ बेटी की हत्या का केस दर्ज करवाया था।

कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी का हत्याकांड भी इन दिनों चर्चा में है। कुछ दिनों पहले उनकी हत्या कर दी गई थी। कमल कौर भाभी का शव बठिंडा के अस्पताल की पार्किंग में खड़ी गाड़ी से मिला था। जांच में पता चला कि अमृतपाल महरों और उसके साथियों ने कमल कौर की हत्या को अंजाम दिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि कंचन की हत्या के बाद अमृतपाल महरों अपने साथी रणजीत सिंह और एक अज्ञात व्यक्ति के साथ उनकी कार में बैठ कर सीधा अमृतसर के एयरपोर्ट गया और वहां से 10 जून की सुबह सवा नौ बजे फ्लाइट पकड़कर यूएई भाग गया।

कौन है शीलत?

शीतल पानीपत के खलीला माजरा की रहने वाली थी। फिलहाल वह पानीपत की सतकरतार कॉलोनी में अपनी बहन नेहा के साथ रह रही थी। रविवार को ही शीतल की बहन ने पानीपत के ओल्ड इंडस्ट्रियल थाना में शीतल की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई थी। बताया जा रहा है कि शीतल अपने पुरुष मित्र सुनील के साथ थी, जिसकी गाड़ी भी एनसीआर वाटर चैनल से बरामद हुई है। वहीं मृतका की बहन नेहा ने बताया कि शनिवार रात को करीब 11 बजे शीतल में वीडियो कॉल पर बात की थी। उस समय उसने बताया था कि सुनील ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसका नंम्बर बंद हो गया था। अब उन्हें सूचना मिली है कि उसका शव सोनीपत में नहर में मिला है।

ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा, रवीना ने प्लेन क्रैश के बाद भरी उड़ान; हादसे को लेकर लिखा नोट

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के हादसे को कोई नहीं भुला सकता। ऐसा मंजर किसी की भी नींद उठा दें। इसी हादसे को लेकर रवीना ने एक पोस्ट अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर दुख जताया और साथ ही नई शुरुआत को लेकर उड़ान भरी। रवीना ने इंस्टाग्राम पर फ्लाइट से अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। रवीना की ये सभी तस्वीरें प्लेन के अंदर से खिंचीं गई हैं। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में नई शुरुआत के बारे में जिक्र करते हुए लिखा, नई शुरुआत... सभी बाधाओं के बावजूद फिर से उठना और उड़ान भरना... सब कुछ फिर से शुरू करना, अधिक शक्ति की ओर नया संकल्प। माहौल गंभीर था और चालक दल के सदस्यों की मुस्कान दुख से रंगी हुई थी। मौन यात्री और चालक दल के सदस्य मौन संवेदना और सूक्ष्म आत्मविश्वास के साथ जुड़े हुए थे। रवीना ने आगे अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर कैप्शन में लिखा, उन परिवारों के प्रति संवेदना, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। एक ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा। भगवान हमेशा आपकी मदद करें निडरता और दृढ़ इच्छाशक्ति, फिर से मजबूत बनने की। जय हिंद। रवीना टंडन फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। वेलकम टू द जंगल एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट में रवीना टंडन के अलावा अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, दिशा पाटनी, लारा दत्ता के अलावा और भी कई सितारे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मीट ब्रदर्स ने तैयार किया है। फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, फिरोज ए. नाडियाडवाला ने जियो स्टूडियो के बैनर तले किया गया है।

'द ट्रेटर्स' को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा, अब उर्फी का रोते हुए अपूर्वा के आरोपों पर बड़ा खुलासा

करण जौहर के शो 'द ट्रेटर्स' में जहां दर्शकों को गेमप्ले और ट्विस्ट्स देखने को मिल रहे हैं, वहीं शो से जुड़ी कंट्रोवर्सीज भी कम नहीं हो रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर उर्फी जावेद और अपूर्वा मुखीजा की तकरार ने तूल पकड़ ली है। दोनों के बीच हुए कथित ऑफ-कैमरा विवाद ने दर्शकों को चौंका दिया है, लेकिन अब उर्फी के नए खुलासों ने इस ड्रामे को एक नया मोड़ दे दिया है।

क्या अपूर्वा और उर्फी की लड़ाई थी स्क्रिप्टेड?

दरअसल, अपूर्वा मुखीजा ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बताया कि शो की शूटिंग के दौरान उनका उर्फी जावेद से ऑफ-कैमरा झगड़ा हुआ था। इस वीडियो में उन्होंने खुद को पीड़िता के रूप में पेश किया और उर्फी पर गंभीर आरोप लगाए। लेकिन इस वीडियो के जवाब में उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर उनकी चैट के स्क्रीनशॉट शेयर कर दिए, जिसमें उन्होंने दावा किया कि ये सब पहले से प्लान किया गया था।

अपूर्वा के आरोपों पर उर्फी का जवाब

उर्फी ने लिखा, 'ये सब पहले से तय था। हम उस घटना के बाद भी बात कर रहे थे। अपूर्वा जानबूझकर इसे बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रही हैं और मुझे खराब दिखाने की कोशिश कर रही हैं।' उर्फी ने बताया कि एक दिन पहले जब जन्नत अपने माता-पिता को याद करके रो रही थीं, तब अपूर्वा ने उनके सामने कहा था, 'इस उम्र में

मां-बाप को याद कर के रोना समझ नहीं आता।' उर्फी के मुताबिक, उन्होंने जब अपूर्वा को सांत्वना देने की कोशिश की, तो उन्होंने सबके सामने उन्हें अपशब्द कहकर भगा दिया। पैपराजी पेज ताहिर जासूस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर उर्फी का ये वीडियो शेयर किया है।

उर्फी का इमोशनल रिएक्शन

इन घटनाओं से आहत होकर उर्फी ने वीडियो में कहा कि वो बुरी तरह टूट गई हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कांप रही हूं, मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं ये सब क्यों महसूस कर रही हूं। शायद मुझे अपनी बात कहनी चाहिए थी लेकिन उस वक्त मेरी भावनाएं हावी हो गईं। जब कोई मुझे सबके सामने अपमानित करता है, तो मैं खुद को रोक नहीं पाती।' उर्फी का ये इमोशनल वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या उर्फी ने कर दी शो के नतीजे की पोल?

रेडिट पर कुछ यूजर्स ने दावा किया है कि उर्फी द्वारा शेयर किए गए चैट स्क्रीनशॉट में ये भी इशारा था कि उन्होंने शो जीत लिया है। इस चैट में ये भी चर्चा थी कि कैसे उनकी लड़ाई दर्शकों को पसंद आएगी और वो इसे यूट्यूब पर शेयर कर के सुलझाएंगे। कुछ ही सेकेंड्स में ये स्टोरी डिलीट कर दी गई, लेकिन तब तक स्क्रीनशॉट वायरल हो चुका था।

विवाद पर दर्शकों की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर इस विवाद को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोग उर्फी की ईमानदारी की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इसे एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं। वहीं, कई लोगों का मानना है कि ये सब शो के टीआरपी बढ़ाने का तरीका है।

'द ट्रेटर्स' को लेकर हो रहा विवाद

द ट्रेटर्स' अब सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं बल्कि एक हाई-वोल्टेज ड्रामा बन गया है, जहां कैमरे के आगे और पीछे दोनों ही तरफ कहानी लिखी जा रही है। शो में से अब तक राज कुंद्रा और करण कुंद्रा समेत कुल 4 कंटेस्टेंट्स का सफर खत्म हो चुका है।

एक नजर

संजय कपूर की करोड़ों की संपत्ति का मालिक कौन? करिश्मा कपूर के बच्चों को मिलेगा कितना हिस्सा?

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर उद्योगपति संजय कपूर का हाल ही में निधन हो गया। 12 जून को यूके में हार्ट अटैक आने से उनकी मौत हो गई, जिसके बाद से कारोबारी जगत और उनके करीबियों में शोक की लहर दौड़ गई है।

संजय कपूर की नेट वर्थ

संजय कपूर न सिर्फ एक सफल बिजनेसमैन थे, बल्कि सोना कॉमस्टार जैसी बड़ी ऑटोमोटिव कंपनी के चेयरमैन भी थे। इस कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 31,000 करोड़ रुपये बताया गया है। उनके अचानक निधन के बाद अब सवाल उठने लगे हैं कि इतनी बड़ी कारोबारी विरासत को कौन संभालेगा और सबसे बड़ी बात करिश्मा कपूर के बच्चों को इस संपत्ति में कितना हिस्सा मिलेगा? पैपराजी पेज ताहिर जासूस ने संजय कपूर का एक पुराना वीडियो शेयर किया है।

कौन बनेगा उत्तराधिकारी?

संजय कपूर के तीन बच्चे हैं- दो बच्चे समायरा और कियान, जो करिश्मा कपूर से हैं और उनकी कस्टडी करिश्मा के पास है, जबकि तीसरे बेटे अजारियास का जन्म उनकी तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव से हुआ था। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि संजय के निधन के बाद उनकी संपत्ति की कमान किसके हाथ में जाएगी। रिपोर्ट्स में ये अनुमान लगाया जा रहा है कि उनकी बहनें मंदिरा कपूर और सुपर्णा मोटवानी कंपनी के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हुई है।

करिश्मा कपूर के बच्चों के भविष्य पर चर्चा

संजय कपूर की कुल संपत्ति लगभग 10,300 करोड़ आंकी गई है। ऐसे में ये स्वाभाविक है कि लोग जानना चाहेंगे कि उनके बच्चों को इस दौलत में क्या हिस्सा मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, संजय ने अपने बच्चों की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए पहले ही एक लेगेसी प्लान तैयार किया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि उन्होंने समायरा और कियान को 14 करोड़ रुपये के बॉन्ड्स गिफ्ट किए थे और उनके लिए 10 लाख रुपये प्रतिमाह की स्थायी आय सुनिश्चित की थी।

संजय की मौजूदा पत्नी के पास कानूनी अधिकार

हालांकि, संजय की वर्तमान पत्नी प्रिया सचदेव को कानूनी रूप से उनकी संपत्ति की देखरेख का अधिकार मिला है, जिससे भविष्य में संपत्ति को लेकर कानूनी प्रक्रिया भी जटिल हो सकती है।

संजय कपूर की निजी जिंदगी

संजय कपूर की निजी जिंदगी भी हमेशा चर्चा में रही। उनकी पहली शादी फैशन डिजाइनर नंदिता महतानी से 1996 में हुई थी, जो चार साल बाद टूट गई। इसके बाद उन्होंने 2003 में करिश्मा कपूर से शादी की, लेकिन ये रिश्ता भी 2016 में तलाक पर खत्म हुआ। फिर उन्होंने प्रिया सचदेव से तीसरी शादी की थी, जिनसे उन्हें एक बेटा भी है।

मूसलाधार बारिश में फैंस का जुनून देख हैरान हुए बिग बी, बोले- लाख मना करने पर भी वो अड़े रहे

प्रत्येक रविवार अमिताभ बच्चन अपने प्रशंसकों से मिलने के लिए घर के बाहर आते हैं। बीते रविवार के नजारे ने अभिनेता को हैरान कर दिया, क्योंकि खतरनाक बारिश के बावजूद फैंस उनका इंतजार कर रहे थे। हालांकि, बिग बी ने उन्हें निराश नहीं किया और वो मिलने आए। फैंस के जुनून देख वो स्तब्ध रह गए और उन्होंने अब इस पर प्रतिक्रिया भी दी है। आइए जानते हैं उन्होने क्या कहा। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सोमवार देर रात अपने ब्लॉग में कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए नोट भी लिखा। साझा की गई तस्वीरों में दिख रहा कि अभिनेता के फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब हैं, जिसके आगे बारिश भी बौनी साबित हो रही है। अभिनेता ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'मूसलाधार बारिश, लेकिन वे खड़े रहे अड़े रहे। इस स्नेह का मेरे पास कोई उत्तर नहीं, न कोई शब्द बस ईश्वर की कृपा बनी रहे। मुझ पर नहीं उनपर जिनका स्नेह, कोई भी बारिश नहीं रोक सकती। इसके आगे उन्होंने लिखा, 'बहुत कहा कि घर जाओ, पानी बरस रहा है, लेकिन नहीं वे खड़े रहे, अड़े रहे। मैं नतमस्तक हूं उनके सामने। अपने ब्लॉग में अभिनेता ने प्रशंसकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए लिखा, भारी बारिश हो रही थी और वे वहां अनुशासित सम्मान के साथ खड़े थे। नहीं, वे नहीं मैं उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि वो इस सम्मान और प्यार से अभिभूत हैं। अमिताभ बच्चन 82 वर्ष की आयु में भी इंडस्ट्री में बेहद सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने ब्लॉग में बताया कि सिर्फ दो घंटे में उन्होंने सात प्रोजेक्ट की शूटिंग खत्म की। इनमें दो फोटोशूट और पांच विज्ञापन की शूटिंग थी। बिग बी के वर्क फ्रंट की बात करें तो नितेश तिवारी की रामायण में वे जटायु के रोल में नजर आएंगे।

नालों व ड्रेनों की हो रही सफाई कार्यों की हुई विभागवार समीक्षा

कुशीनगर।

बाढ़ खण्ड, चीनी मिल एवं गन्ना विभाग के जिम्मेदारों को शीघ्र पूर्ण कराने का दिए निर्देश

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तवंर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बाढ़ खण्ड, मनरेगा, सिचांई एवं गन्ना विभाग की संयुक्त रूप से बैठक कर पूर्व से चिन्हित जनपद के प्रमुख ड्रेनों एवं नालों की साफ सफाई के कार्यों की अद्यतन रिपोर्ट लेने उपरांत सभी संबंधित को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बैठक दौरान बरसात से पूर्व समस्त वृहद व छोटे नालों व ड्रेनो की साफ-सफाई हेतु सर्वप्रथम चीनी मिलों द्वारा कराए जा रहे कार्यों का एक एक कर चीनी मिल वाइज सौंपे गए कार्यों का ढ़ाढा, खड्डा, रामकोला के मिल प्रतिनिधि द्वारा बताया गया। चीनी मिल के प्रतिनिधि द्वारा सभी कार्यों को एक सप्ताह के अंतर्गत पूर्ण कर लिए जाने का आश्वासन दिया गया। इसी प्रकार बाढ़ खण्ड के ए0ई0,एवं अधि0 अभि0 सिंचाई द्वारा प्रगति रिपोर्ट देते हुए शीघ्र सभी कार्यों को पूर्ण करा लिए जाने का आश्वासन दिया गया।

जिलाधिकारी ने जिला गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया कि ड्रेन एवं नालों की सफाई कार्य का मॉनिटरिंग करने सहित अन्य विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों में कोई दिक्कत आ रही हो तो उसे संबंधित एसडीएम से वार्ता कर निस्तारण कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने बाढ़ की तैयारियों के संबंध में ए0ई0 बाढ़ खण्ड से जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं पर कार्य चल रहे हैं उन सभी कार्यों को तय समय सीमा के अंदर पूर्ण कराते हुए फोटोग्राफ्स सहित अन्य विवरण 22 जून तक अवश्य उपलब्ध कराएं। इसी प्रकार सिंचाई विभाग द्वारा हिरण्यवती नदी, बांसी नदी एवं बाढ़ की तैयारियों के संबंध में पुछ ताछ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बाढ़ की तैयारियों के संबंध में अन्य विभागों द्वारा किए जाने वाले तैयारियों हेतु शीघ्र बैठक कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किए, साथ ही उन्होंने आगामी बैठकों में रेवेन्यू विभाग को भी सम्मिलित किए जाने का निर्देश दिए। बैठक दौरान डीसी मनरेगा, जिला गन्ना अधिकारी अधिशासी अभियन्ता सिचांई, बाढ़ खण्ड के ए0ई0 अधिकारी सहायक अभियन्ता गण, चीनी मिल के प्रतिनिधि सहित अन्य सभी संबंधित उपस्थित रहे।

धर्मपुर माइनर में शुरू हुआ पानी प्रवाह, टेल तक पहुंचा पानी

तमकुही राज कुशीनगर ।

- समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के बाद सिंचाई विभाग हरकत में आया

चाफ रजवाहा में पानी आने के बावजूद धर्मपुर माइनर में पानी न आने की समस्या पर समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का त्वरित संज्ञान लेते हुए सिंचाई विभाग सक्रिय हो गया। अवर अभियंता धनेश्वर राय ने जेसीबी मंगाकर फाटक उठवाया और नीचे ईंट लगवाकर पानी प्रवाह सुनिश्चित कराया। सोमवार को पानी धर्मपुर माइनर के टेल तक पहुंच गया, जिससे क्षेत्र के किसानों में हर्ष की लहर दौड़ गई। ध्यान रहे कि धर्मपुर माइनर के हेड से छह फीट लंबा लोहे का साफ्ट चोर खोल ले गए थे, जिसके चलते फाटक नहीं उठ पा रहा था और माइनर पूरी तरह सूखी पड़ी थी। इससे धर्मपुर पर्वत, पर्वत छपरा, मठिया भोकरिया, दुमही, बंगरा रामबक्स राय, राजापाकड़, बरवाराजापाकड़ सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों किसान प्रभावित हो रहे थे। धान की रोपाई, गन्ना, मक्का, सब्जी और बागवानी की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई थीं। समस्या से परेशान किसानों ने शुक्रवार को केन यूनियन संचालक प्रतिनिधि सत्यनारायण यादव के नेतृत्व में माइनर के हेड पर प्रदर्शन कर तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग की थी। प्रदर्शन में सुनील पटेल, साधू यादव, मुकेश यादव, राजकिशोर यादव, भोलू यादव, सूरज, विजय श्रीवास्तव, पप्पू यादव आदि किसान शामिल रहे। समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के प्रभाव से विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक व्यवस्था लागू कर पानी प्रवाह शुरू कराया। किसानों ने समय से समस्या के समाधान और विभागीय कार्रवाई पर संतोष जताया है। जेई ने कहा कि शीघ्र फाटक को उठाने वाला लोहे का साफ्ट लगवाकर समस्या का स्थाई समाधान करा दिया जाएगा।

एक नजर

जमीन के झगड़ों का समाधान अब सुलह योजना से देवरिया में 80 मामलों का शांतिपूर्ण निपटारा

देवरिया। जिला प्रशासन ने पारिवारिक बंटवारे के विवादों को सुलझाने की दिशा में एक अभिनव पहल 'सुलह योजना' के रूप में की है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं। धारा 116 के अंतर्गत एसडीएम न्यायालयों में लंबित बंटवारे के विवादों को बातचीत और समझौते से सुलझाने के लिए शुरू की गई इस योजना के अंतर्गत अब तक 80 मामलों का शांतिपूर्ण समाधान किया जा चुका है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे जमीन के बंटवारे को लेकर वर्षों से भाई-भाई या परिवार के अन्य सदस्य एक-दूसरे से मुकदमेबाजी में उलझे रहते हैं, जिससे सिर्फ समय और पैसा ही नहीं, रिश्ते और समाज का सौहार्द भी टूटता है। सुलह योजना का उद्देश्य है कि इन मामलों को न्यायालय की लंबी प्रक्रिया के बजाय आपसी बातचीत और सहमति के जरिए सुलझाया जाए। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, पारिवारिक सौहार्द और सामाजिक शांति के लिए आपसी विवादों को अदालतों के बजाय आपसी सहमति से सुलझाएं। सुलह योजना एक ऐसा मंच है, जहां प्रशासन की मदद से दोनों पक्षों को सुना जाता है और न्यायोचित हल निकाला जाता है। योजना के लागू होने के बाद से अब तक 80 से अधिक मुकदमे बिना किसी कानूनी लड़ाई के सुलझाए गए हैं, जिससे संबंधित परिवारों ने राहत की सांस ली है। कई लोगों ने बताया कि वर्षों से लंबित विवाद अब बातचीत और समझदारी से हल हो गए हैं, और वे अपने रिश्तों को दोबारा सामान्य बना पाए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से आह्वान किया कि वे अपनी तहसील के एसडीएम न्यायालय में जाकर सुलह योजना के अंतर्गत आवेदन करें, ताकि विवाद का शीघ्र और सौहार्दपूर्ण समाधान हो सके।

लखनऊ पुलिस ने अपहरण के आरोपित के घर की छापामारी

तमकुही राज कुशीनगर । पटहेरवा थाना क्षेत्र के सोमवार दोपहर लखनऊ के गुडंबा थाने की पुलिस ने क्षेत्र के गांव करमैनी डीह,अपहरण,दुष्कर्म व पास्को एक्ट के आरोपित के गिरफ्तारी के लिये पटहेरवा पुलिस के सहयोग से कई जगहों पर छापामारी की लेकिन आरोपित घर से फरार मिला। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि पटहेरवा के गांव करमैनी डीह के एक छात्र मारूफ द्वारा लखनऊ के थाना गुंडबा के एक मुहल्ले में रहता था।वह वहां अपना नाम छिपाकर कर पड़ोस के किशोरी से जान-पहचान बढ़ाई और एक दिन अपने दो अन्य साथियों के सहयोग से किशोरी के अपहरण कर लिया।जब किशोरी के परिजनों द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया तो किशोरी को उसके घर के पास छोड़ कर फरार हो गया।बरामद किशोरी के बयान के आधार पर पुलिस ने अपहरण के मुकदमे में दुराचार सहित पास्को एक्ट बढ़ा दिया।लखनऊ पुलिस के गुडंबा थाने के उपनिरीक्षक शिव कुमार सिंह के नेतृत्व में आई तीन सदस्य टीम ने आरोपित व उसके साथियों के गिरफ्तारी के लिये पटहेरवा पुलिस के सहयोग से करमैनी डीह व फाजिलनगर कस्बे में छापामारी की।लेकिन आरोपित नही मिले।इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष हरिराम सिंह यादव ने बताया कि लखनऊ के गुडंबा थाने की पुलिस मुकदमें में आरोपित वांछित के गिरफ्तारी के लिये आई थी।

किशोरी का धर्म परिवर्तन करा जबरिया शादी करने वाला आरोपित गिरफ्तार

तमकुही राज, कुशीनगर । पटहेरवा थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर पर गांव के जिस किशोरी को समुदाय विशेष के युवक लेकर फरार हुआ था। वह किशोरी के आधार कार्ड को दूसरा बनावा दिया था और उसका मुमताज खातून कर शादी कर लिया था। लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते उसे जेल की हवा अब खानी पड़ रही है। इस पूरे प्रकरण में पटहेरवा पुलिस खासकर उपनिरीक्षक विशाल कुमार मेहनत की काफी चर्चा है। प्रकरण के मुताबिक 03 जून को इस गांव की एक यादव परिवार की लड़की को तुर्कपट्टी थाना के गांव गडहिया निवासी इमरान अंसारी भगाकर मुंबई लेकर चला गया। सबसे पहले मुंबई में वह उस किशोरी के आधार कार्ड में दर्ज नाम को परिवर्तित कर मुमताज खातून करा लिया और उससे शादी कर ली। पुलिस को यह जानकारी हुई तो पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिये मुंबई रवाना हो गई। लेकिन शातिर इमरान को इसकी भनक लगते ही किशोरी को मुंबई से फाजिलनगर छोड़कर फरार हो गया। पूछताछ में किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह उसका धर्म बदल कर शादी किया और आधार कार्ड भी दूसरा बनावा दिया है। पुलिस टीम ने आरोपित इमरान अंसारी को पिपरा रज्जब से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। जहां न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मुंबई लेकर हो गया था फरार

मार्ग दुर्घटना में घायल किशोर का इलाज के लिये गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में मौत

तमकुही राज कुशीनगर । क्षेत्र के पटहेरिया-समउर मार्ग पर रविवार शाम हुई कार व बाइक की भिड़ंत की घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिये गोरखपुर ले जाते समय रास्ते मे ही मृत्यु हो गयी।किशोर इसी वर्ष हाईस्कूल का परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया था। बाजार से लौटते समय घटना घटी थी। पटहेरवा के गांव बलुआ समशेर शाही सकरा पट्टी निवासी पवन भारती रविवार शाम को पटहेरिया से बाजार कर लौट रहे थे कि उनकी बाइक व तेजगति की कार में आमने सामने भिड़ंत हो गयी थी और कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे स्थित प्राथमिक विद्यालय बलुआ समशेर शाही की बाउंड्रीवाल तोड़ते हुये विद्यालय परिसर में घुस गई थी।सिर में गंभीर चोट लगने के कारण पवन घटना स्थल पर ही अचेत हो गया था।सीएचसी फाजिलनगर के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद किशोर को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया था।स्वजन उसे लेकर मेडिकल कालेज जा रहे थे कि उसकी मृत्यु रास्ते मे ही हो गयी।पुलिस लाश कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया है।प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्र ने बताया कि तहरीर पर अज्ञात कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज की जा रही है।

शहर समता विचार मंच ने की काव्य गोष्ठी

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ. मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ. पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. रीना श्रीवास्तव रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ. मधु पाठक द्वारा की गई। काव्य गोष्ठी का संचालन डॉ. मधु पाठक ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा इस आयोजन को सफल बनाया जिसमें डॉ. रीना श्रीवास्तव ने हम आपके अपने हैं। अनामिका उपाध्याय ने ये कहानी थोड़ी अलग है, डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने पिताजी, चेतना सिंह ने सच कहते हैं लोग, डॉ. रेनू राय ने कली को खिलने से, डॉ. सुषमा मिश्रा ने जीना नहीं आया तुम बिन, डॉ. नीलू सिंह ने पहिलै प्रकृति, डॉ. सुमन सिंह ने वृक्ष नहीं लगाओगे, डॉ. मधु पाठक ने सियाराम कविता का पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन चेतना सिंह ने किया।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का चेक लाभार्थियों में वितरित

कप्तानगंज,कुशीनगर।

***विधायक रामकोला ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां**

झझस्थानीय तहसील सभागार में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना अन्तर्गत 14 चौदह लाभार्थियों को क्षेत्रीय विधायक विनय प्रकाश गोंड के द्वारा चेक वितरित किया गया। सोमवार को कप्तानगंज तहसील सभागार में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना अन्तर्गत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक विनय प्रकाश गोंड के द्वारा तहसील के कुल 14 चौदह लाभार्थियों को चेक वितरण किया गया।

इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि श्री गोंड ने कहा हमारी सरकार ने कृषक दुर्घटना कल्याण योजना अन्तर्गत कई सौ पीड़ित परिवारों को करोड़ों रूपए का सहयोग देकर राहत दी। वहीं मरीजों के ईलाज के लिए भी आयुष्मान आभा कार्ड पर भी निःशुल्क ईलाज किया जा रहा है तथा मुख्यमंत्री राहत कोष द्वारा भी पात्र मरीजों के अस्पताल के खाते धनराशि भेजी जाती है। इस प्रकार सरकार की बहुआयामी योजनाओं से जनता को राहत व लाभ मिल रहा है। इस दौरान उप जिलाधिकारी अनिल कुमार, तहसीलदार दिनेश कुमार सिंह,नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय खेतान, राधेश्याम दीक्षित,राम प्रताप एडवोकेट, प्रदीप जायसवाल, रंजीत कन्नौजिया, अभिषेक सिंह सुरेन्द्र गोंड मारकण्डेय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

डा. सूरज जायसवाल को सौंपी गयी लायन्स क्लब पवन की कमान

जौनपुर।

विवेक मौर्य सचिव, नितिन मौर्य कोषाध्यक्ष, विजय मौर्य, विनय मौर्य, मुकेश जायसवाल उपाध्यक्ष चुने गये

लायन्स क्लब पवन की चुनावी सभा में आगामी सत्र के लिये नये पदाधिकारियों का चयन हुआ। संस्थापक/अध्यक्ष पवन जायसवाल ने नये अध्यक्ष के लिये डा. सूरज जायसवाल के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। चुनाव अधिकारी सुरेन्द्र प्रधान के निर्देश पर डा. सूरज जायसवाल ने संक्षिप्त कार्यकारिणी की घोषणा किया जिसमें विवेक मौर्य सचिव, नितिन मौर्य कोषाध्यक्ष, विजय मौर्य उपाध्यक्ष प्रथम, विनय मौर्य उपाध्यक्ष द्वितीय, मुकेश जायसवाल उपाध्यक्ष तृतीय बनाये गये। चुनाव अधिकारी द्वारा उपरोक्त पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करते हुये शुभकामना भी दिया। वहीं संस्थापक/अध्यक्ष पवन जायसवाल एवं जोन चेयरपर्सन ज्ञान सिंह ने पूरी कार्यकारिणी को बधाई देते हुये जोश एवं उत्साह से सेवा कार्य करने के लिये प्रेरित किया। इसी क्रम में नवचयनित अध्यक्ष डा. सूरज जायसवाल ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि जिस विश्वास से हमें यह जिम्मेदारी दी गयी है, मैं उसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। इस अवसर पर धर्मेन्द्र रघंवुशी, विजय मौर्य, मुकेश जायसवाल, संजय साहू, नितिन मौर्य, मनीष मौर्य, रिंकू मिश्रा, शिवम बरनवाल, रजत सोनी, सलमान हसन सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

के. के. पब्लिक एकेडमी भटनी में पढ़े करन यादव ने नीट में सफलता पाकर रच दिया इतिहास

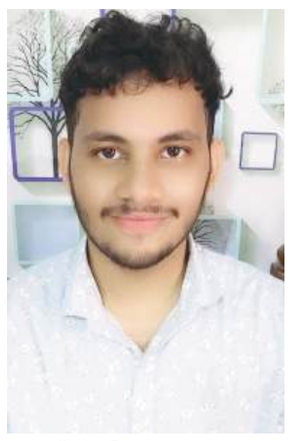

भटनी देवरिया।

ऑल इंडिया रैंक 7602 लाकर बढ़ाया विद्यालय और गांव का मान

के. के. पब्लिक एकेडमी सीनियर सेकेंडरी भटनी के होनहार छात्र करन सिंह यादव ने नीट 2025 की परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर न सिर्फ अपने माता-पिता, बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रौशन किया है। करन को ऑल इंडिया रैंक 7602 प्राप्त हुई है, जो उनकी मेहनत और लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। भटनी थाना क्षेत्र के घाटी खास गांव निवासी करन सिंह यादव, डॉ मनोज यादव के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे गांव और परिवार में हर्ष का माहौल है। करन ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, माता-पिता के आशीर्वाद और विद्यालय परिवार के मार्गदर्शन को दिया है। करन यादव ने के. के. पब्लिक एकेडमी सीनियर सेकेंडरी भटनी से हाई स्कूल 2019 तथा इंटरमीडिएट 2021 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की थी।

इसके बाद उन्होंने नोएडा में रहकर नीट की तैयारी की और आज उनकी मेहनत रंग लाई। इस सफलता पर विद्यालय परिवार में भी उत्साह का माहौल है।

विद्यालय के प्रबंधक बी. के. श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक अजय कुमार वर्मा, अरुण तिवारी, प्रमोद यादव, संतोष अस्थाना, इंद्रावती साहनी, नवीन श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकगणों ने करन को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीएम कृषक कल्याण योजना के तहत 90 कृषक परिवारों को मिली 4.3 करोड़ की राहत

देवरिया।

किसानों का हाथ थामे खड़ी है योगी सरकार इस भावना को साकार करता हुआ मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का राज्यस्तरीय कार्यक्रम सोमवार को जनपद देवरिया सहित पूरे प्रदेश में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सदर तहसील सभागार में किया गया, जिसमें सैकड़ों लाभार्थियों की आँखों में कृतज्ञता और विश्वास छलक उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अंबेडकर नगर से योजना का राज्यव्यापी विस्तार करते हुए जनपद देवरिया के 90 चयनित कृषक परिवारों को कुल 4.30 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

अपने संबोधन में विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह योजना केवल धनराशि नहीं, बल्कि सरकार की संवेदना और प्रतिबद्धता की सजीव मिसाल है। दुर्घटनाओं की मार झेल रहे किसान परिवारों के लिए यह योजना संबल की तरह कार्य कर रही है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत देवरिया में 90 लाभार्थियों को त्वरित प्रक्रिया के बाद राहत धनराशि उपलब्ध कराई गई है, जिससे पीड़ित परिवारों को नया सहारा मिला है। उन्होंने बताया कि शासन स्तर से निर्देशित प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदन की पारदर्शी जाँच के बाद राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर की जाती है। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित कई लाभार्थी परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए।

किसी ने अपने बेटे को खोया था, किसी ने पति को, लेकिन सभी ने कहा कि योगी सरकार की यह योजना कठिन समय में एक मजबूत सहारा बनी। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन जैनेंद्र सिंह, सीआरओ जे.आर. चौधरी, एसडीएम श्रुति शर्मा, तहसील स्तरीय अधिकारी, प्रधान प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, राजस्व कर्मी, और अन्य कई जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का सार्वजनिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि हर पात्र कृषक परिवार योजना का लाभ उठा सके।

अनियंत्रित ट्रक ने तोड़ा बिजली का गम्भा

नेबुआ नौरंगिया- कुशीनगर।

नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ा हादसा हुआ। नौरंगिया - कप्तानगंज मार्ग पर शितलापुर चौराहे के पास एक अनियंत्रित ट्रक सड़क से उतरकर बिजलीके खंभे से टकरा गया।हादसे में बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया। इस खंभेसे होकर हाई वोल्टेज लाइन गुजरती है। इससे कलवारी पट्टी, खैरटिया, जगदेवा, मोतीपुर, सौरहा खुर्द औरशितलापुर गांव को बिजली आपूर्ति होती है। खंभे के क्षतिग्रस्त होने से इन पांच गांवों की बिजली आपूर्ति 12घंटे तक बाधित रही।हादसे के समय चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई।हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोईहताहत नही हुआ। उमस भरी गर्मी में बिजली न होने सेलोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एसडीओ रूपेश कुशवाहा ने बताया कि बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

घर में अकेली रह रही महिला को पड़ोसी मनबढ़ कर रहे परेशान

जौनपुर।

पति संग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लगायी सुरक्षा की गुहार

शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सरायपोखूता चौकी अंतर्गत मोहल्ला अहमद खां मंडी निकट शैल शिक्षा मंदिर की रहने वाली अर्चना मौर्या ने आरोप लगाया कि वह उक्त क्षेत्र में कच्चा मकान टीनशेड डालकर अपना जीवन यापन कर रही है। इसमें किसी का कोई हस्तक्षेप नहीं है परन्तु मोहल्ले के कुछ मनबढ़ किस्म के लोग आये दिन परेशान करने के इरादे से उसके टीनशेड के सामने पेशाब आदि के साथ अश्लील हरकत करते रहते है। यहां तक कि इन दबंगों के बच्चे जब किकेट खेलते हैं तो गेंद आने पर प्रार्थिनी को गाली देकर मांगते हैं। उक्त प्रकरण से पीड़िता सहित परिवार के सदस्य काफी परेशान हो गये हैं। घटना 10 जून की रात लगभग 8.30 बजे की है जहां उक्त मनबढ़ों के बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे कि अचानक बाल टीनशेड पर आ गया जिसको गाली देते हुये मांगने लगे। जब इसका विरोध किया तो वह सब एक राय होकर 40–50 की संख्या में भीड़ इकट्ठा करके टीनशेड पर हमला कर दिये जहां पीड़िता के पति श्याम लाल मौर्या, देवर कन्हैया लाल मौर्या सहित 5 साल का बच्चा सिद्धार्थ मौर्या थे। पति एवं देवर से मारपीट करते हुये हमलावर पीड़िता का मंगलसूत्र भी छीनने का प्रयास किये। शोर मचाने पर टीनशेड पर ईंट–पत्थर फेंकते हुये बाहर खड़ी मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त करते हुये चले गये जो जाते समय जानमाल की धमकी भी दिये। अगले दिन लिखित शिकायती कोतवाली पुलिस को दिया गया जहां उल्टे मुल्जिमान ही पीड़िता को फर्जी एससी/एसटी के मुकदमा में फंसाने की धमकी देने लगे। वहीं थाना स्तर से कोई कार्यवाही नहीं की गयी और न ही विवेचना की गयी जिससे पीड़िता और परेशान है। हताश व निराश होकर पुलिस अधीक्षक से मिलकर लिखित शिकायत करते हुये पीड़िता ने न्याय की गुहार लगायी है।

ग्राम पंचायत अधिकारी सीमा यादव ने किया नेक कार्य

आवारा गोवंशों को पशुशाला पहुंचवाकर ग्रामीणों को पहुंचायी राहत

खुटहन, जौनपुर। स्थानीय विकास खंड के अंतर्गत ग्रामसभा ईश्वरपुर सलहदीपुर गांव में छुट्टा व आवारा गोवंशों से ग्रामीण परेशान हो गये। बार-बार शिकायत करने पर ग्राम पंचायत अधिकारी सीमा यादव एवं ग्राम प्रधान से सहयोग करने की अपील किया परंतु प्रधान द्वारा सहयोग नहीं किया गया। सीमा यादव अपने सहयोगी एवं ग्रामीणों के सहयोग सहित पशु विभाग के कर्मचारी की मदद से ऐसे जानवरों को पकड़ने में लग गयीं। काफी मशक्कत के बाद 10 की संख्या में गोवंशों को अस्थायी पशुशाला गुलालपुर पहुंचाया गया जहां उपरोक्त के अलावा तमाम सफाई कर्मचारी एवं पशु विभाग के लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल होगी 16वीं जनगणना

16 भाषाओं में मोबाइल ऐप से 35 लाख से ज़्यादा कर्मी जुटाएंगे आंकड़े

नई दिल्ली ।

झ्रजनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है. जनगणना की ये प्रक्रिया 1 मार्च 2027 तक पूरी हो जाएगी, जबकि लद्दाख, जम्मू कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में जनगणना पूरी होने की तिथि 1 अक्टूबर 2026 रहेगी. जनगणना के साथ ही इस बार जाति का जनगणना भी करवाई जाएगी, जिसका सरकार ने कुछ वक्त पहले ही ऐलान किया था.

दो चरणों में जनगणना कराने का फैसला

जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है. जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के प्रथम दिन 00:00 बजे होगी. यानी 1 मार्च 2027 तक जनगणना का काम पूरा कर लिया जाएगा. केंद्र शासित प्रदेश

लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फीले क्षेत्रों के लिए जनगणना पूरी करने की अंतिम तिथि 1 अक्टूबर, 2026 की रहेगी.

जनगणना का आखिरी चरण 1 मार्च 2027 तक होगा पूरा

जनगणना का अंतिम चरण फरवरी 2027 से शुरू होकर 01 मार्च 2027 (संदर्भ तिथि) तक पूरा कर लिया जाएगा. आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के साथ ही अब अलग-अलग एजेंसियां अपना काम करना शुरू कर देंगी. इस प्रक्रिया में स्टाफ को ट्रेनिंग देना लोगों के घर जाकर आंकड़े इकट्ठा करना फॉर्मेट बनाना स्टाफ निर्धारित करना यह सब शामिल है. जनगणना का आखिरी चरण 1 मार्च 2027 तक पूरा हो जाएगा. जानकारी के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संपन्न कराई जाएगी. भारत में हर दस साल में एक बार

1 मार्च 2027 तक पूरी होगी जनगणना की प्रकिया, केंद्र सरकार ने जारी कर दिया नोटिफिकेशन

जनगणना कराई जाती है. इसका मकसद देश की आबादी, सामाजिक और आर्थिक स्थिति और दूसरी जरूरी जानकारियां इकट्ठा करना होता है, ताकि सरकार नीतियां बनाने और योजनाएं तय करने में सही फैसले ले सके. जनगणना कराने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय के तहत आने वाले पंजीयक सामान्य और जनगणना आयुक्त कार्यालय की होती है. इस काम में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है. वे हर घर जाकर लोगों से जानकारी जुटाते हैं.

साइप्रस में प्रधानमंत्री मोदी को मिला सर्वोच्च नागरिक सम्मान

निकोसिया । साइप्रस ने सोमवार को पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' से नवाजा। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान दिया। मोदी दो दिन के दौरे पर साइप्रस पहुंचे थे।

मोदी ने कहा, मैं साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से

अब तक 21 देश कर चुके सम्मानित

आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है। इससे पहले मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। अब मोदी जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो जाएंगे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति निकोस ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, हमने द्विपक्षीय संबंधों, भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों और IMEEC कॉरिडोर पर भी बात की। साइप्रस-तुर्किये मुद्दे और साइप्रस के पुनःएकीकरण भी चर्चा में शामिल रहा। साइप्रस किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र मेंआपसी विश्वास हमारे संबंधों की मजबूत नींव है। भारत और साइप्रस के बीच रिश्ते न तो परिस्थितियों से बने हैं, और न ही ये सीमित हैं। हम एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं।

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती, चिकित्सकों ने बताया हालत स्थिर

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की हालत स्थिर है जिन्हें पेट संबंधी समस्या के चलते रविवार शाम को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल की ओर से जारी बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष 78 वर्षीय सोनिया गांधी को रविवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बयान के अनुसार, सर गंगा राम अस्पताल के प्रमुख डॉ. अजय स्वरूप ने कहा, उन्हें पेट से संबंधित समस्या के लिए सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के तहत कल (रविवार) रात नौ बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में उनकी हालत स्थिर हैं और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। बीते 9 जून को उनका इसी अस्पताल में चिकित्सा जांच हुई थी। चिकित्सा जांच से दो दिन पहले, उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद उनकी शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में कुछ जांच की गई थी।

कार और बाइक की जोरदार टक्कर; पांच लोगों की मौत, तीन घायल

महोबा । महोबा जिले के श्रीनगर-बेलाताल मार्ग पर ननौरा गांव के पास सोमवार की दोपहर करीब एक बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार सवार कोतवाली चरखारी के बगरोन गांव से बहू की विदा कराने ननवारा गांव जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बाइक में फंस गई जो 20 मीटर तक घिसटी। पुलिस घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाते हुए मृतकों की शिनाख्त कराने में जुटी है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं।

पाहलगाम हमला : टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र से पूछे पांच सवाल, मीडिया-न्यायपालिका की चुप्पी पर जताई चिंता

कोलकाता । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के 55 दिनों के बाद तृणमूल कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार से पांच सवाल पूछे हैं। साथ ही उन्होंने इस मामले में इस बात पर चिंता जताई कि न तो मुख्यधारा की मीडिया, न विपक्ष और न ही न्यायपालिका ने इस हमले पर कोई सवाल उठाया। बता दें कि बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देशभर में तहलका मचा दिया था। पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इसे 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी का सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है।

बनर्जी ने केंद्र से पूछे सवाल

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने अब जाकर इस मामले में केंद्र सरकार से कुल पांच सवाल पूछे है। बनर्जी ने पहले सवाल के तौर पर पूछा कि आतंकी सीमा में कैसे घुसे?..बनर्जी ने कहा कि इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था का बावजूद चार आतंकी भारत में कैसे घुसे और उन्होंने कैसे इतने लोगों को मार डाला? इतनी बड़ी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा?

दूसरा सवाल पेगासस के इस्तेमाल को लेकर

टीएमसी नेता ने अपने दूसरे सवाल के तौर पर पूछा कि आतंकी हमले के बाद पेगासस का इस्तेमाल आतंकी नेटवर्क पर क्यों नहीं किया गया?.. बनर्जी ने कहा कि जब सरकार विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और जजों के खिलाफ पेगासस जैसे जासूसी उपकरण का इस्तेमाल कर सकती है, तो आतंकियों के खिलाफ क्यों नहीं किया गया। इसके साथ ही बनर्जी ने सवाल किया कि अब तक आतंकियों पर क्या कार्रवाई की गई है? उन्होंने कहा कि जो आतंकी इस हमले में शामिल थे, उनके खिलाफ अब तक क्या कदम उठाए गए?

संघर्षविराम पर ट्रंप के दावे पर भी पूछे सवाल

बनर्जी ने संघर्षविराम को लेकर ट्रंप के दावे से संबंधित सवाल किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने भारत को सीजफायर के लिए राजी किया। क्या सरकार ने इसके जवाब में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी?, इसके अलावा अपने पांचवे सवाल में उन्होंने पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद का जिक्र किया। बनर्जी ने कहा कि जब पाकिस्तान भारत में हमलों को समर्थन देता है, तो उसे आर्थिक सहायता क्यों दी जाती है?

140 करोड़ भारतीय भावनाओं के साथ समझौता

अपने बयान के अंत में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं के साथ समझौता किया गया है और यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि मैं एक जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि होने के नाते ये सवाल उठा रहा हूं क्योंकि देश की सुरक्षा और लोगों की जान से जुड़ा मुद्दा है।

पटाखा फैक्ट्री फटने से चार महिलाओं की मौत; छह झुलसीं

अमरोहा।

पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग लगने से चार महिलाओं की मृत्यु हो गई है, वहीं दो झुलसे बताए गए हैं। आग की घटना अमरोहा के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई है। आग लगने की सूचना पर डीएम-एसपी पहुंचे हैं। थाना रजबपुर के गांव अतरासी में खेतों के बीच में संचालित एक पटाखा फैक्ट्री में आग लग गई। तेज धमाके के साथ फटी एक फैक्ट्री में काम करने वाली चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि छह महिलाएं गंभीर रूप से झुलसी हैं। हादसा भयानक था और लगभग एक किलोमीटर दूर तक इस धमाके की आवाज गूंजी है। फैक्ट्री का संचालन हापुड़ के रहने

वाले सैफू रहमान द्वारा किया जा रहा था। दो भवन में बनी इस फैक्ट्री के एक भवन में ब्लास्ट हुआ है। घटना के बाद मौके पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनिल कुमार आदि लोग पहुंचे। उधर, धमाके के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने भी महिलाओं के शवों को काफी जिद्दोजहद के बाद मलबे में से बाहर निकाला।

यूपी में बिजली गिरने से 25 लोगों की मौत, सीएम योगी ने राहत के आदेश दिए

लखनऊ। पिछले 48 घंटों में उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में तेज आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई लोग अपने दैनिक कामों के दौरान बाहर फंसे हुए थे। बिजली गिरने से होने वाली मौतों की सूचना ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से मिली, जहां कमज़ोर आबादी खेती, आवागमन या घरेलू कामों में लगी हुई थी। अधिकारियों ने अभी तक जिलेवार विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है, लेकिन सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर और रायबरेली शामिल हैं। गोंडा जिले में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र के दत्तनगर बिसेन निवासी कुणाल शर्मा (20) आज सुबह जब घर के पास हैंडपंप से पानी लेने गया था तो आकाशीय बिजली की चपेट में आने से वह झुलस गया। परिजन उसे तुरंत गोंडा मेडिकल कॉलेज ले गए जहां चिकित्सकों ने कुणाल को मृत घोषित कर दिया। शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम में आकाशीय बिजली गिरने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। जिलाधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में ग्राम काजीदेवर में आकाशीय बिजली गिरने के कारण रामदेव यादव (46) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार दोनों मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की दुखद मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मृतकों के परिवारों को तत्काल वित्तीय मुआवज़ा प्रदान करें नुकसान का विस्तृत सर्वेक्षण करें यह सुनिश्चित करें कि घायल पीड़ितों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले ।

ईरान से आर्मेनिया के रास्ते लौटेंगे भारतीय छात्र

तेहरान/तेल अवीव ।

इजराइल से लगातार चौथे दिन जारी लड़ाई के बीच ईरान ने सोमवार को विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हो, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि जो राजनयिक मिशन अपने नागरिकों या स्टाफ को बाहर भेजना चाहते हैं, उन्हें ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को यात्रियों के नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। भास्कर के सूत्रों ने बताया कि भारत ने सबसे पहले छात्रों को निकालने के लिए ईरान में आर्मेनिया के राजदूत से बात की है। छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जाएगा।

ईरान के हमले में आज 8 इजराइलियों की मौत

दूसरी तरफ, ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक

इजराइल से टकराव के बीच 1500 स्टूडेंट्स फंसे; ईरान बोला- बॉर्डर खुले, विदेशी नागरिक जा सकते हैं

मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। पिछले 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है। ईरानी हमलों से इजराइल में अब 24 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 600 से ज्यादा घायल हैं। ईरान में अब तक 224 लोग मारे गए हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। इजराइल और ईरान के बीच शुक्रवार रात से संघर्ष हो रहा है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। शनिवार को इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था।

जनगणना अधिसूचना पर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया'

नई दिल्ली । कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया जैसी है और इसमें जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाते हुए, केवल जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए। रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''लंबे इंतजार के बाद बहुप्रचारित 16वीं जनगणना की अधिसूचना आखिरकार जारी हो गई है। लेकिन यह एकदम 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया जैसी है क्योंकि इसमें 30 अप्रैल 2025 को पहले से घोषित बातों को ही दोहराया गया है। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि कांग्रेस की लगातार मांग और दबाव के चलते ही प्रधानमंत्री को जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के मसले पर झुकना पड़ा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने इसी मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं को अर्बन नक्सल तक कह दिया था। संसद हो या उच्चतम न्यायालय, मोदी सरकार ने जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के विचार को सिरे से खारिज कर दिया था। अब से ठीक 47 दिन पहले, सरकार ने खुद इसकी घोषणा की। रमेश के अनुसार, आज की राजपत्र अधिसूचना में जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह फिर वही यू-टर्न है, जिसके लिए प्रधानमंत्री मोदी अपनी पहचान बना चुके हैं? या फिर आगे इसके विवरण सामने आयेंगे? रमेश ने जोर देकर कहा, ''कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाया जाए। यानी सिर्फ जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''तेलंगाना के जातिगत सर्वेक्षण में 56 सवाल पूछे गए थे। अब सवाल यह है कि 56 इंच की छाती का दावा करने वाले 'नॉन बायोलॉजिकल व्यक्ति में क्या इतनी समझ और साहस है कि वह 16वीं जनगणना में भी 56 सवाल पूछने की हिम्मत दिखा सकें?

मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप, मनरेगा का ख़र्च रोकने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 फीसदी तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़ अपराध है। खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वो गरीबों की जेब से क़रीब 25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, डिमांड ज़्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक demand-driven योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में डिमांड की वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य डिमांड के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7त्न परिवारों को वादा किए गए

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 फीसदी तय कर दी है।

100 दिन का काम मिल पाया है? (लिब टेक, 21 मई तक) क़रीब 7 करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से AADHAAR Based Payment की शर्त लगा बाहर क्यों किया गया? उन्होंने आगे पूछा कि 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मज़दूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है? खड़गे ने कहा कि मनरेगा पर ख़र्च रोकने की कुल्हाड़ी, हर ग़रीब के जीवन पर मोदी सरकार द्वारा किया गया गहरा आघात है ! कांग्रेस पार्टी इसका घोर विरोध करेगी। हम अपनी दो माँगों पर क़ायम हैं – पहली, मनरेगा श्रमिकों के लिए रोज़ाना 400 की न्यूनतम मजदूरी तय की जाए। दूसरी, साल में कम से कम 150 दिन का काम मिले।